Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०१७ • वर्ष ६८ • अंक ०७

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - देश के नये राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद को बधाई
- सम्पादकीय - राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार
- आवरण कथा - शिक्षित मारवाड़ी महिलायें...
- विशेष - आचार्य महाश्रमण का संदेश
- रपट - राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक
- रपट - सम्मेलन का रोजगार सहायता कार्यक्रम
- प्रांतीय समाचार - बिहार, दिल्ली और पूर्वोत्तर
- समीक्षा - श्री केशरी नाथ त्रिपाठी रचित 'जख्मों पर शबाब'
- आलेख - मारवाड़ी होने का गर्व
- विविधा - राजस्थानी कहानियाँ एवं कविता

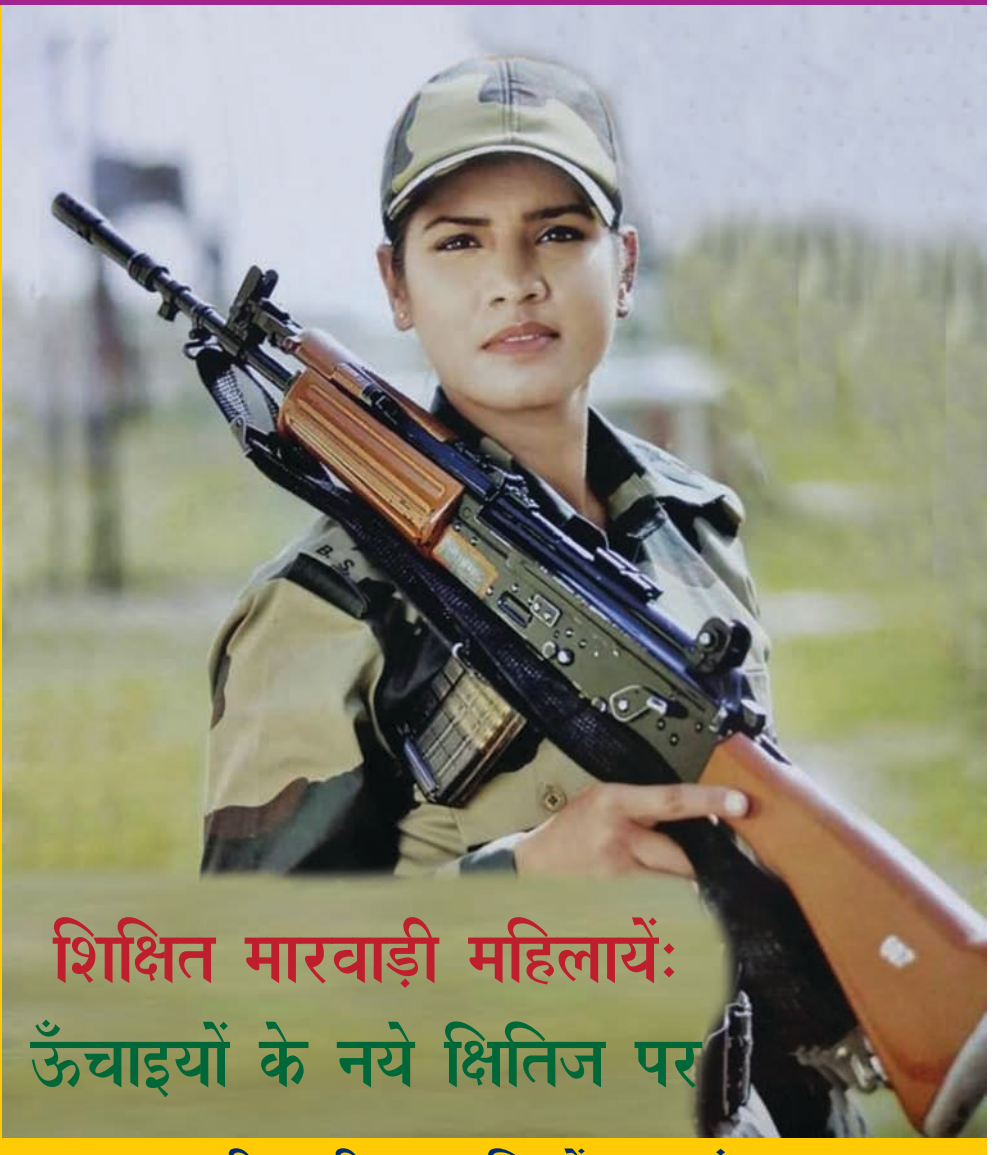

शिक्षित मारवाड़ी महिलायें: ऊँचाइयों के नये क्षितिज पर

तनुश्री पारीक, असिस्टेंट कमांडर

१०५ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल, फिरोजपुर, पंजाब

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष

श्री निर्मल कुमार काबरा

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

समाज विकास

◆ जुलाई २०१७ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०७
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार	३
• **चिट्ठी आई है**	४
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** देश के नये राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद को बधाई	५
• आचार्य महाश्रमण का संदेश	७
• **रपट** - राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक	८
• **दिनेश जैन** – सम्मेलन का रोजगार सहायता कार्यक्रम	११
• प्रान्तीय समाचार	१२
• **आवरण कथा** - शिक्षित मारवाड़ी महिलायें	२०
• श्री केसरीनाथ त्रिपाठी की कविताओं का राजस्थानी में अनुवाद	२६
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** मारवाड़ी होने का गर्व	२७
• विविध	२९
• नए सदस्यों का स्वागत	३१

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता** - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

संपादक : संतोष सराफ ◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा
सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार

– सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का एक कार्यक्रम है राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार करना। इस संबंध में सीताराम रुँगटा ट्रस्ट के सहयोग से एक पुस्तक 'सीखो सहज राजस्थानी' समाजवंधुओ को निशुल्क दी जाती है। अनेकों बार सभाओं मे राजस्थानी भाषा के प्रयोग पर बल दिया जाता है। समाज विकास के माध्यम से भी यह प्रयास जारी है। राजस्थानी भाषा के लेख, कहानियाँ, कविताएँ विशेष रूप से शामिल किये जाते है। हम सभी जानते है कि राजस्थानी भाषा ही हमें राजस्थानी होने का पहचान देती है। गंभीर चिंता का विषय है कि राजस्थानी भाषा का प्रयोग हमारे घरों में कम होता जा रहा है। विशेष कर युवाओं में अपनी मातृभाषा के प्रति वितृष्णा साफ झलकती है। कहते है कि जयपुर में भी राजस्थानी भाषा का प्रयोग कम होता जा रहा है। एक तरफ तो हम राजस्थानी भाषा की मान्यता की बात करते हैं। दूसरी तरफ भाषा के प्रति उदासीनता एक विरोधाभास हैं। इस विषय में गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। इस में कोई शक नहीं कि राजस्थानी संस्कृति-संस्कार बहुत कुछ भाषा पर निर्भर करते हैं। इसलिये भाषा को बचाये रखना अत्यंत आवश्यक है। समाज विकास में प्रकाशित राजस्थानी भाषा मे लिखी रचनाओं पर आपकी प्रतिक्रियायें एवं भाषा के प्रयोग को व्यापक करने संबंधी आपके सुझावों का स्वागत है।

पिछले अंक में समाज विकास में समाचार प्रकाशित किया गया था कि एक राजस्थानी मूल की महिला सुश्री सोनम माहेश्वरी पश्चिम बंगाल में पुलिस में नौकरी कर रही है। प्रस्तुत अंक में उसी प्रकार एक राजस्थानी मूल की महिला सुश्री तनुश्री पारीक के सीमा सुरक्षा बल में एक महिला फील्ड अधिकारी के रूप में नियुक्ति के विषय में छपा है। सम्मेलन ने अपने स्थापना काल से ही कन्याओं को शिक्षा एवं उच्च शिक्षा देने के लिए सक्रिय प्रयास किये हैं। आज इन प्रयासों की सफलता का रूप हमारे सामने है। समाज की आधी आबादी को अपने इच्छानुसार जीवन का मार्ग विकसित करने की स्वतंत्रता देनी होगी। ऐसा हो भी रहा है। इसी कारण समाज की कन्यायें विभिन्न क्षेत्रों मे अपने सफलता का परचम फहरा रही हैं। यह एक स्वागत योग्य स्थिति है। ★★★

चिट्ठी आई है

मद्यपान पर निषेध

श्री लोहिया जी,

टाइम्स ऑफ इंडिया मे मैने वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध संबंधी सम्मेलन का समाचार पढ़ा।

मेरे विचार से उस समाचार को हमें वाट्सअप, SMS, इमेल द्वारा सभी को भेजना चाहिए। सिर्फ काकटेल पार्टी ही नहीं, सभी को मद्यपान पर निषेध लगाना चाहिये। बच्चों को घर में एवं व्यक्तिगत पार्टी में मद्यपान नहीं करना चाहिए।

मद्यपान युवाओं के ज्ञान एवं वुद्धि को रुद्ध कर देता है। हमें बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करनी चाहिए। बिहार में सबसे अधिक व्यक्ति जेल में हैं।

हमारे कर्मचारियों को गरीव समझकर रुपया नहीं देना चाहिए। उसके पहले उनसे यह वचन लेना चाहिए कि वे मद्यपान या ताम्बकू का किसी भी प्रकार से सेवन नहीं करेंगे। जो इसका पालन नहीं करते हैं, उनका वहिष्कार होना चाहिए।

– डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

समर्थन

मै अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के इस प्रयास का पूर्ण समर्थन करता हूँ कि वैवाहिक कार्यक्रमों में काकटेल पार्टियाँ या मद्यपान सेवन नहीं होना चाहिये।

दिनांक २५ फरवरी २०१७ को मेरे सुपुत्र रवीन्द्र के विवाह के अवसर पर आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम पर मद्यपान की कोई व्यवस्था नहीं थी।

– राजेन्द्र खंडेलवाल

राजस्थानी समाज के रीति-रिवाज

राजस्थानी समाज द्वारा अनेकानेक रीति-रिवाजों और परम्पराओं का पालन होता आ रहा है। हम लीक पीटे जा रहे हैं। नहीं जानते कि उनका आधार क्या है, जड़ मूल क्या है – स्वास्थ्य से संबंधित, अध्यात्म से संबंधित या और कोई। इसलिए इस अज्ञानता के वजह से बहुत से रीति-रिवाज एवं परंपराओं को हमलोग छोड़ते भी जा रहे हैं। कुछ ऐसी परम्पराएँ हैं – (१) शादी पर मंडेरा के गीत, (२) शादी के मौके पर समधी का चाब लेकर आना, (३) समधी मिलन में चार रुपये ही क्यों, (४) शादी के लग्न मंडप में बीच में थाम लगाया जाता है और फेरे के साथ-साथ उसकी भी परिक्रमा होती है, (५) शादी में भात भरना, नाति होने पर खिचड़ी आदि, (६) शादी के बाद लड़की की विदाई के समय गाड़ी के पिछले चक्कों पर जल डालना, (७) शादी में दात देनां, दात में पापड़ मंगोडी देना, (८) परिवार के किसी सदस्य का यात्रा में रवाना होने के बाद घर में एक छोटे पात्र में जल रखना, (९) किसी भी मांगलिक कार्य के समय गीत गाना और जिसका अर्थ गाने वाली खुद नहीं जानती और न ही ठीक से गा सकती हैं।

आपसे विशेष अनुरोध है कि इनका मूल, महत्व आदि पता लगाने की कृपा करें। कहीं "राजस्थान के रीति-रिवाज" की पूर्वप्रकाशित कोई पुस्तक और विश्वसनीय अन्य माध्यम प्रमाणीकृत कोई ग्रन्थ आदि से जानकारी हो सकती है।

यदि रीति-रिवाजों का मूल पता लगे तो आप भी सदस्यों को जानकारी हेतु प्रकाशन करें ताकि हमारी उनमें श्रद्धा बढे और हम अपनी छूटती जा रही संस्कृति को फिर से अपना सकें।

– नारायण प्रसाद कोटरीवाला
भागलपुर, बिहार

मजबूत संगठन आवश्यक

प्रिय श्री संतोष जी,

आपका संपादकीय 'संघे शक्ति कलियुगे' पढ़ा। कलयुग में संगठन की शक्ति महत्वपूर्ण है। आपने सही लिखा कि संगठन की आवाज बुलंद होती है और सुनी जाती है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन देश में समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। समाज को संगठित करना चाहते है तो आपके अनुसार प्रत्येक जिले में आपकी शाखा होनी चाहिये। अब तक तो सम्मेलन को केवल सेठों की संस्था के रूप में देखा जाता है। समाज आपका महत्व उस समय जानेगा जब विभिन्न जातियों के लोग मिल कर भारत श्रेष्ठ भारत बनायेंगे। अतः भाई सभी वर्गो को शामिल करो ताकि समाज में फैले भ्रान्त धारणा को समाप्त किया जा सके। जै मारवाड़ी/राजस्थानी का नारा दें और सभी वर्गों को शामिल करें। मायड़ भाषा राजस्थानी को मान्यता मिलने के साथ साथ मारवाड़ी समाज अपने आपको गौरवान्वित समझेगा।

आपके विचार उत्तम है। संगठन होना चाहिये, अवश्य ही होना चाहिये पर सबका साथ और सबका विकास का नारा प्रमुख रूप से ध्यान में रखें।

— नागरमल शर्मा

(सम्मेलन के संगठन के संबंध मे आपके विचारों का स्वागत है। तथापि, सम्मेलन को मात्र सम्पन्न वर्ग की संस्था के रूप में देखना गलत होगा, सम्मेलन में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व है। – सम्पादक)

अध्यक्षीय

देश के नये राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद को बधाई

– प्रह्लाद राय अगरवाला

हाल ही में माननीय श्री रामनाथ कोविंद ने देश के राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण किया है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पूरे समाज की ओर से मैं उन्हें बधाई प्रेषित करता हूँ। पिछले दिसम्बर माह में पटना में अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित हुई थी। उस दौरान पटना के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम श्री कोविंद से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल राज भवन में उनसे विचार-विमर्श के दौरान उनके ज्ञान, सरलता एवं अनुभव का कायल हो गया था। कोलकाता में दिनांक २५ दिसम्बर २०१६ को स्थापना दिवस के अवसर पर होने वाले आयोजन में उन्हें पधारने का सम्मेलन की ओर से साग्रह आमंत्रण दिया गया। अपने सौहार्द का परिचय देते हुए उन्होंने हमारा आमंत्रण स्वीकार किया।

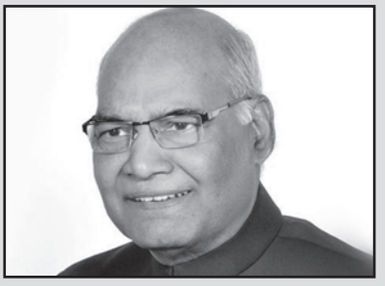

स्थापना दिवस पर कलामंदिर में आयोजित समारोह में सपत्नीक पधार कर उन्होंने समारोह को गरिमा प्रदान की। मुझे याद है कि समारोह में माटी के महत्व के विषय पर उन्होंने अत्यंत ही सारगर्भित भाषण दिया था। साथ ही उन्होंने 'समाज विकास' का स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन भी किया। समारोह में उनका दिया गया वक्तव्य यादगार बन गया। उन्होंने कहा था, **"मारवाड़ियों ने अपने मिट्टी की खूशबू पूरे देश में फैलाई है। समाज ने जो आज प्रतिष्ठा पाई है, वह मिट्टी की ही देन है। मिट्टी के कर्ज को नहीं भूलना चाहिए। उन्हें सदैव अपनी मिट्टी से जुड़े रहना चाहिए।"**

हाल में बैठे सभी समाजबंधुओं पर उनके पांडित्वपूर्ण वक्तव्य का काफी प्रभाव पड़ा। इस प्रकार महामहिम श्री रामनाथ कोविंद के साथ बिताये गए पल यादगार पल में परिवर्तित हो गये। महामहिम श्री कोविंद बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पटना में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर अपना मार्गदर्शन देते रहे। इस प्रकार मारवाड़ी सम्मेलन से श्री कोविंद का एक विशेष संबंध स्थापित हुआ था। हम आशा करते है कि भविष्य में भी हमें उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त होता रहेगा। हम उनके सफल कार्यकाल की सर्वप्रकार से कामना करते हैं।

राँची में आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठक सम्पन्न होने के बाद सम्मेलन की ओर से समाज सुधार पर मुहिम चलाई जा रही है। वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान के चलन को रोकने के लिये राष्ट्र स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। इस संबंध में प्रेम भाव को कायम रखते हुये समाज में हृदय परिवर्तन पर जोर दिया जा रहा है। आगामी दिनों इस संबंध में कोलकाता के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ वैठक कर उस कार्यक्रम को व्यापक करने की दिशा में कदम उठाये जा रहे हैं। इस संबंध में सभी समाजबंधुओ का सहयोग अपेक्षित हैं।

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

आचार्य महाश्रमण का संदेश

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा के नेतृत्व में मुनिवर आचार्य महाश्रमण से मिला। इस प्रतिनिधि मंडल में सम्मेलन के भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामअवतार पोद्दार, राष्ट्रीय महामंत्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री भानीराम सुरेका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री दिनेश जैन, नंदलाल सिंघानियाँ, सम्पतलाल बच्छावत, सुरेन्द्र दुगड़ एवं रोहित गोयल शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने आचार्य जी को सम्मेलन के गतिविधियों से अवगत करनाया। हाल ही में रांची में वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध पर पारित प्रस्ताव का हवाला देते हुए उनसे अपने प्रवचनों में इस विषय पर समाज को मार्गदर्शन का अनुरोध किया गया। सम्मेलन के मुखपत्र समाज विकास की प्रति उन्हें भेंट की गई। आचार्य श्री ने सम्मेलन के नाम एक संदेश मे कहा है कि सम्मेलन से जुडे कार्यकर्ता अध्यात्मिक कल्याणकारी गतिविधियों में अपनी शक्ति का नियोजन करें। संस्था का मुखपत्र समाज विकास सम्मेलन की गतिविधियों की अवगति के साथ समाज को आध्यात्मिक पोषण देता रहे।

है प्रभो! यह तेरापंथ

अर्हम्

लोकतंत्र का एक महत्त्वपूर्ण स्तम्भ है– मीडिया। निष्पक्ष, निर्लोभ और निर्भय मीडिया जगत् समाज विकास में सहायक बन सकता है।

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र 'समाज विकास' सम्मेलन संस्था की गतिविधियों की अवगति के साथ–साथ समाज को आध्यात्मिक पोषण भी देता रहे। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े कार्यकर्ता आध्यात्मिक कल्याणकारी गतिविधियों में अपनी शक्ति का नियोजन करते रहें। शुभशंसा।

राजरहाट, पश्चिम बंगाल

आचार्य महाश्रमण

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा

प्रधान कार्यालय–3,पोर्धुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता–700 001 दूरभाष : (033) 2235 7956 2234 3598 फैक्स : 2234 3666
शिविर कार्यालय संपर्क सूत्र – 07044448888 Email - campoffice13@gmail.com

सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक

वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध के लिए मन-परिवर्तन है उपयुक्त मार्ग : प्रह्लाद राय अगरवाला

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक १३ जुलाई २०१७ को डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** के सभापतित्व में आयोजित की गयी।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। श्री अगरवाला ने गत १८ जून २०१७ को राँची में आयोजित सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक और इस बैठक में 'वैवाहिक समारोहों में मद्यपान' के विषय में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय के विषय में सदस्यों को बताया। उन्होंने कहा कि अपनी प्रादेशिक शाखाओं, सम्बद्ध संस्थाओं और समाज के हर तबके को साथ लेकर हमें इस कुरीति पर नियंत्रण करने का प्रयास करना चाहिए तथापि यह ध्यान रखना चाहिए कि अत्यंत शालीनता एवं विनम्रतापूर्वक, मन-परिवर्तन के माध्यम से हम इस लक्ष्य को प्राप्त करें। उन्होंने सम्मेलन की संगठनात्मक स्थिति एवं भावी कार्यक्रमों के विषय में सदस्यों को बताया और सबसे अपने विचार व्यक्त करने का निवेदन किया।

बैठक में राष्ट्रीय स्थायी समिति की पिछली बैठक (०८ मई २०१७; कोलकाता) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के कार्यकलापों पर 'महामंत्री की रपट' एवं वर्तमान सत्र में स्थायी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों पर 'कार्यवाही की रपट' प्रस्तुत की। कार्यसूची के अनुसार उपसमितियों के चेयरमेन / संयोजकों ने अपनी उपसमिति की प्रगति–रपट प्रस्तुत की।

'संस्कार-संस्कृति चेतना' उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने कहा कि आगामी संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम हेतु विद्यालयों से सम्पर्क किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से अनुरोध किया कि जिनसे भी सम्भव हो विद्यालयों से सम्पर्क करें। श्री सिंघानिया, जो 'राजनैतिक चेतना' उपसमिति के भी

चेयरमैन हैं, ने कहा कि राजनैतिक चेतना उपसमिति की बैठक शीघ्र बुलायी जाएगी।

समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. जुगल किशोर सराफ** ने कहा कि समाज सुधार के क्षेत्र में, वर्तमान में, वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध सम्मेलन का मुख्य कार्यक्रम होगा।

चर्चा में भाग लेते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सलाहकार उपसमिति के चेयरमैन **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि समाज सुधार के कार्यक्रमों को फलीभूत होने में समय लगता है किन्तु प्रयास अनवरत जारी रहना चाहिए।

अखिल भारतीय समिति के वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध सम्बंधी निर्णय को न सिर्फ अपने समाज बल्कि इतर समाजों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि धर्माचार्यों के उपदेशों का भी हमारे जनमानस पर अच्छा प्रभाव पड़ता है और इसमें सहयोग हेतु साधु-संतों से भी अनुरोध किया गया है। सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल उपयुक्त संतों से मिले और यह अनुरोध रखे तो इसके अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

निर्देशिका उपसमिति के चेयरमैन **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने बताया कि सम्मेलन की नयी निर्देशिका प्रकाशित करने का कार्य प्रगति पर है।

वैवाहिक परिचय उपसमिति के चेयरमैन **श्री ऋषि बागड़ी** ने बताया कि विवाह-इच्छुक युवक-युवतियों के बायोडाटा अच्छी संख्या में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर एवं कन्या पक्षों को उपयुक्त डाटा अब 'डिजीटली' भेजे जाने से यह कार्य शीघ्रतापूर्वक हो रहा है।

रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन **श्री दिनेश कुमार जैन** ने बताया कि अब तक ४९ युवक-युवतीयों ने रोजगार हेतु आवेदन किया था जिनमें से ३० को काम पर रखवाया जा चुका है और बाकियों के लिए भी समिति प्रयासरत है। श्री जैन, जो सेमिनार उपसमिति के भी चेयरमैन हैं, ने कहा कि सेमिनार आयोजित करने के विषय में आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने सलाह दी कि आवश्यक नहीं कि सेमिनार बहुत बड़े पैमाने पर ही किया जाय या किसी राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तित्व को ही आमंत्रित किया जाय। सम्मेलन से सम्बंधित विषयों पर स्थानीय उपयुक्त लोगों को बुलाकर सेमिनार आयोजित करना बी उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में श्री कैलाशपति तोदी के संयोजकत्व में कई गोष्ठियों का आयोजन किया गया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने सुझाव दिया कि श्री तोदी को भी इस कार्यक्रम के साथ जोड़ा जाये।

श्री संदीप फोगला द्वारा उच्च शिक्षा के लिये अनुदान

समाज विकास के पिछले अंक में सूचित किया गया था कि सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री संदीप फोगला ने सम्मेलन को उच्च शिक्षा के लिये १५ लाख का अनुदान दिया था। यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि उन्होंने १० लाख की राशि हाल में अतिरिक्त प्रदान की है। इस प्रकार उनके द्वारा प्रदत्त कुल राशि २५ लाख हो गई है। श्री फोगला ने प्रत्येक वर्ष उच्च शिक्षा कोष के लिये २५ लाख का अनुदान देने का आश्वासन दिया है। श्री फोगला के इस उदार अनुदान के लिये सम्मेलन की ओर से हार्दिक कृतज्ञता एवं बधाई।

सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्गठन हेतु कार्य चल रहा है, सदस्यता-अभियान प्रगति पर है। एक समारोह आयोजित कर प्रादेशिक इकाई के पुनर्गठन की योजना थी किन्तु तदर्थ समिति के चेयरमैन श्री संतोष अग्रवाल की अस्वस्थता की वजह से इसमें देर हुई है। निकट भविष्य में इस समारोह के आयोजन का कार्यक्रम है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री भानीराम सुरेका** ने प्रस्ताव रखा कि उम्रदराज विधवाओं/विधुरों/अविवाहितों के लिए परिचय सम्मेलन का आयोजन होना चाहिए जिससे उन्हें अकेलेपन में जीवन गुजारने से राहत मिल सके। किन्तु इस प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन सकी।

बैठक में उपस्थित पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने पश्चिम बंग सम्मेलन द्वारा २३ जुलाई २०१७ को कोलकाता स्थित कला मंदिर में प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन की सूचना दी और उपस्थित सदस्यों से समारोह में भाग लेने का अनुरोध किया।

बैठक के अंत में, राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका**, कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, **सर्वश्री सुरेश अगरवाल**, **संदीप सेक्सरिया**, **शिव कुमार बागला**, **रवि लोहिया**, **आत्माराम सोन्थलिया**, **संजय गोयनका**, **रमेश कुमार बूबना** आदि उपस्थित थे।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से पुरस्कारों हेतु मनोनयन का अनुरोध

रामनिवास आशारानी लाखोटिया
राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था 'रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट' के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८३वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१७, के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा
साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रूँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। यह सम्मान सम्मेलन के ८३वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१७, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया
राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व.केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी की स्मृति में राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८३वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१७, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से उक्त सम्मानों हेतु उपयुक्त व्यक्ति/संस्था का नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय [४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७; दूरभाष : (०३३) ४००४४०८९; ई-मेल : aimf1935 @gmail.com] को ३० सितम्बर २०१७ तक भेजने का सादर अनुरोध है।

FREE SCHOLARSHIP

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

Invites application from the meritorious and needy students of the society for scholarships to pursue Post Graduate Higher Education in the fields of Engineering. Technical, Civil Services, Medicine, Management etc.

Eligibility : (A) Meritorious student with excellent academic record between the age of 17-25 years and having secured admission in a recognized educational institution purely on the basis of merit. (B) Annual income of the parents of the candidate should preferably be less than Rs. Three Lakh.

Procedure : (A) Application with details of past academic records, proof of admission, parent's income/ along with passport size photograph may be submitted duly recommended by any branch of Marwari Sammelan/Associated Organisations. (B) The Scholarship payable per student per year will be a maximum of Rs. Two Lakh only. (C) One or two scholarships per academic year is reserved for girl students.

Please apply to : Chairman, Higher Education Committee, All India Marwari Sammelan
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017
Phone & Fax : (033) 40044089, e-mail: aimf1935@gmail.com

सम्मेलन का रोजगार सहायता कार्यक्रम

– दिनेश जैन
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का Employment Exchange programme एक ऐसा प्रोग्राम है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। क्योंकि इस प्रोजेक्ट के जरिये मुझे मेरे मारवाड़ी साथियों का अत्यंत प्यार और सहयोग मिला।

इस समिति का दायित्व सम्हाले जाने पर, मैंने कार्य प्रणाली बनाया और उस पर काम करना शुरू किया।

फ्लायर्स और पोस्टर्स तैयार किये गए, फेसबुक पेज बना, जिसके जरिये लोगों तक इस कार्यक्रम की जानकारी पहुँचाई गयी। और हमें इस कार्यक्रम पर बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। ना सिर्फ नौकरी की खोज करनेवाले बल्कि कई नामी कंपनियों ने भी हमें अपनी आवश्यकता का ई-मेल भेजा।

हमने २ लोगों की टीम बनायी जिन्होंने AIMF EE का डेस्क संभाला। उम्मीदवारों की तरफ़ से आये हुए आवेदन और मालिकों से आयी हुई आवश्यकताओं का databank बनाया गया। मालिकों को बराबर ईमेल भेजे गए जिसके द्वारा उन्हें उम्मीदवारों की जानकारी प्रदान की गयी।

पिछले चार महीनों में इस कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था को ४९ CVs मिले थे, जिसमें से आप सबके सहयोग से ३० उम्मीदवारों को हम उचित स्थान दिलाने में सक्षम हुए हैं। कुछ उम्मीदवारों को सीनियर प्रोफाइल की नौकरी मिली, वो भी काफी अच्छे pay-package के साथ। बड़ी ही खुशी की बात है कि पिछले एक महीने में संस्था ने ५० लाख सालाना और ३० लाख सालाना जैसे उच्च प्रतिभावान उम्मीदवारों को भी सफलतापूर्वक चयनित करवाया है।

इस प्रोजेक्ट की अब तक की सफलता का श्रेय आप सभी को जाता है जिन्होंने हर तरीके से इसमें अपना सहयोग दिया। मैं आप सबका आभारी हूँ कि मेरी क्षमता में अपना भरोसा दिखाया और मेरा उत्साह बढ़ाया।

आप सभी से सविनय अनुरोध है कि अगर आप को कोई आवश्यकता हो या आपके पास उम्मीदवार हैं तो निःसंकोच इस ईमेल आईडी : aimf.hr@gmail. com, पर अपनी आवश्यकता या उम्मीदवार का CV हमें भेज कर इस पावन कार्य में अपना सहयोग दें।

श्री नन्दलाल रुँगटा सम्मेलन ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोनीत

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ट्रस्ट मारवाड़ी सम्मेलन फाउण्डेशन की गत दिनों आयोजित फाउण्डेशन की बैठक में सर्वसम्मति से श्री नन्दलाल रुँगटा को ट्रस्ट का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। यह जानकारी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं फाउण्डेशन के ट्रस्टी श्री सीताराम शर्मा ने दी। गौरतलब है कि श्री रुँगटा अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन तथा बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं।

फाउण्डेशन के अन्तर्गत मेधावी एवं जरुरतमंद छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृति प्रदान की जाती है।

खेल रत्न : पैरालिंपियन झाझरिया के नाम की अनुशंसा

पैरा ओलंपियन देवेन्द्र झाझरिया को खेल में देश का सबसे बड़ा पुरस्कार यानी राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार देने की अनुशंसा सही वक्त पर लिया गया सही कदम है। देवेंद्र झाझरिया की बात करें। ३६ साल का यह खिलाड़ी एक हाथ आधा कटा हुआ, उसके बावजूद जेवलिन थ्री में दो-दो बार स्वर्ण पदक जीता। ऐसा करनेवाला पहला भारतीय। देवेंद्र दो बार क्या, चार बार ओलंपिक (पैरा ओलंपिक) का स्वर्ण भी जीत जाते लेकिन दो ओलंपिक में जेवलिन ब्रो की उस स्पर्धा को शामिल ही नहीं किया गया जिसमें देवेंद्र भाग लेते थे। २००४ (एथेंस) में चैंपयिन, २०१६ (रियो) में भी चैंपियन, इस उपलब्धि के लिए देवेंद्र को पद्मश्री से पहले ही सम्मानित किया जा चुका है। राजस्थान के चुरु के इस खिलाड़ी का बचपन अच्छा नहीं बीता था। आठ वर्ष की उम्र में पेड़ पर चढ़ने के दौरान ११ हजार वोल्ट के तार से हाथ सट गया। हाथ बेकार हो गया। काटना पड़ा। कोई और होता तो हार मान लेता। देवेंद्र किसी और माटी के बने हुए है।

एक हाथ कटने के बावजूद उनकी सोच थी-मेरा बांया हाथ कटा है, दायां बचा है। सच में देवेंद्र झाझरिया की किस्मत अच्छी थी, जब १९९७ में वे स्कूल में थे, उन पर प्रसिद्ध एथलीट-कोच आर.डी. सिंह (द्रोणाचार्य अवार्ड विजेता) की नजर पड़ गयी, उन्होंने भांप लिया था कि इस लड़के में कुछ करने का दम है, वे देवेंद्र के कोच बन गये। उनके पहले पैरा ओलंपिक में मुरलीकांत पेटकर नामक तैराक ने १९७२ में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था।

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रान्तीय समिति की बैठक श्री निर्मल कुमार काबरा नये अध्यक्ष निर्वाचित

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रान्तीय अध्यक्ष का निर्वाचन राँची में ९ जुलाई २०१७ को आयोजित प्रान्तीय समिति की बैठक में सम्पन्न हुई। **श्री निर्मल कुमार काबरा** (जमशेदपुर) झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०१७-१९ के लिए प्रान्तीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

निर्वाचन का कार्य निर्वाचन समिति की देखरेख में सम्पन्न हुआ, जिसके संयोजक **श्री रतनलाल बंका** तथा सहसंयोजक **श्री वेद प्रकाश अग्रवाल** तथा **श्री कमल कुमार केडिया** थे। निर्वाचन संचालन समिति में प्रत्येक प्रमंडल से एक-एक प्रतिनिधि शामिल किए गए, जिनके नाम इस प्रकार हैं – श्री किशोर मंत्री (राँची), श्री संतोष कुमार अग्रवाल (कोल्हान), श्री प्रमोद कुमार तुलस्यान (पलामू), श्री अशोक कुमार अग्रवाल (हजारीबाग), श्री महेन्द्र भगानिया (धनवाद), तथा श्री रामनाथ शर्मा (संथालपरगना)।

प्रान्तीय समिति की बैठक में सर्वप्रथम प्रान्तीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ेदिया** ने सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि आज की महत्वपूर्ण बैठक में सदस्यों को प्रान्तीय अध्यक्ष का निर्वाचन करना है। उन्होंने निर्वाचन में सद्भाव एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। श्री गाड़ादिया ने अपने कार्यकाल की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता संगठन को सुदृढ़ करना रही है। इस कारण वर्तमान कार्यकाल में बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण की है। सभी जिलों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हुआ है, पूरे प्रदेश में दौरे किए गए हैं। समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया है। पूरे प्रान्त में सभी जिलों द्वारा सेवा कार्य किए गए हैं, समय-समय पर कई राजनीतिक नेताओं ने भी समाज के सदस्यों को सम्बोधित किया है। १८ जून २०१७ को सम्मेलन के अखिल भारतीय समिति की बैठक होलीडे होम राँची में सम्पन्न हुई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा**, तथा अनेक केन्द्रीय एवं विभिन्न प्रान्तों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

प्रान्तीय महामंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने गत बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनायी, जिसकी सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी। कार्यवाही में मुख्य रूप से संविधान संशोधन की चर्चा की गयी। ज्ञातव्य है कि प्रान्तीय समिति में अपनी पिछली बैठक में संविधान संशोधन का अनुमोदन कर दिया था। श्री मित्तल ने बताया कि छह प्रमण्डलों में से चार प्रमण्डलीय अधिवेशन आयोजित हो चुके हैं। शेष दो प्रमण्डलों में अधिवेशन शीघ्र आयोजित किए जाएँगे। उपाध्यक्ष (कोष)

श्री नंद किशोर पाटोदिया ने मार्च २०१७ तक का ऑडिटेड एकाउण्ट पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। ऑडिट कार्य एस. एन. राजगढ़िया एण्ड कम्पनी द्वारा सम्पादित किया गया।

बैठक में श्री मधुसूदन दारुका (कोडरमा), श्री पवन अग्रवाल (जमशेदपुर), श्री मोहनलाल अग्रवाल (जमशेदपुर), श्री विश्वनाथ मोदी (जमशेदपुर), श्री अशोक खण्डेलवाल (जमशेदपुर), श्री अरुण गुप्ता (जमशेदपुर), श्री प्रदीप जैन (गिरिडीह), श्री रामरतन महर्षि (कोडरमा), श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (राँची), श्री परमेश्वर लाल गुटगुटिया (मधुपुर), श्री सीताराम शर्मा (लोहरदगा), श्री प्रकाश पटवारी (रामगढ़), श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया (देवघर), सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये।

निर्वाचन समिति की ओर से सह निर्वाचन पदाधिकारी श्री कमल कुमार केडिया ने श्री निर्मल कुमार काबरा के प्रान्तीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने की घोषणा की। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्षगण श्री विनय सरावगी, श्री राजकुमार केडिया सहित उपस्थित सदस्यों ने श्री काबरा का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया।

२ एवं ३ सितंबर २०१७ को झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रान्तीय अधिवेशन जमशेदपुर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार काबरा पदभार ग्रहण करेंगे।

प्रान्तीय महामंत्री श्री बसंत मित्तल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा तदनोपरांत राष्ट्रगान के साथ बैठक समाप्त हुई।

संक्षिप्त परिचय :

नर्व निर्वाचित अध्यक्ष - झारखण्ड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

श्री निर्मल कुमार काबरा

सामाजिक संगठनों में प्रतिबद्धता :

ट्रस्टी :

- सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज
- जायंट्स ग्रुप ऑफ जमशेदपुर
- श्री दयाल संघ, आसनसोल
- श्री राजस्थान शिव मंदिर, जमशेदपुर

अध्यक्ष :

- सराईकेला-खरसवां चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज
- श्री दयाल संघ, आसनसोल

पूर्व अध्यक्ष :

- सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, जमशेदपुर
- श्री राजस्थान शिव मंदिर, जमशेदपुर
- लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर
- पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन

उपाध्यक्ष :

- झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, कोल्हान प्रमंडल

कार्यसमिति सदस्य :

- कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सी.आई.आई) झारखण्ड चैप्टर
- आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एसिया), जमशेदपुर
- श्री टाटानगर गौशाला, जमशेदपुर
- श्री राजस्थान सेवा सदन हॉस्पीटल, जमशेदपुर
- श्री राजस्थान युवक मंडल (शैक्षणिक संस्था) जमशेदपुर

पता : M/s. South Bihar Plastic (P) Ltd.
Chowk Bazar, Jugsalai, Jamshedpur - 831 006
Mob : 9334800505, 94311-13661, 0657-6452511, 6452484,
E-mail : hindustanindustries@rediffmail.com

प्रांतीय समाचार

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, पटना

मई-जून २०१७ माह की गतिविधियाँ

दिनांक २८ मई २०१७, रविवार को सुबह ९.३० बजे से होटल श्रेयस, भागलपुर में बि. प्रां. मा. सम्मेलन के स्थाई कोष की बैठक प्रबंध न्यासी श्री कमल नोपानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में न्यासीगण, प्रादेशिक अध्यक्ष एवं महामंत्री के अलावा अन्य आमंत्रित सदस्य उपस्थित थे।

दिनांक २० मई २०१७, रविवार को पूर्वाह्न ११.०० बजे से बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०१५-१७ की कार्यकारिणी समिति की नवम् बैठक भागलपुर शाखा के आतिथ्य में स्थानीय होटल श्रेयस रीजेन्सी, प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला की अध्यक्षता में हुई, जिसमें १२० समाज बन्धु उपस्थित थे।

प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला ने उपस्थित सभी महानुभावों का हार्दिक स्वागत किया। संगठन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पदाधिकारियों एवं शाखा अध्यक्षों से दूरभाष पर निरंतर सम्पर्क रखा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में १४ संरक्षक, ६५८ आजीवन, १० विशिष्ट एवं ४६ साधारण कुल ७२८ सदस्य बनाये गये है। स्थाई कोष में अभी तक पाँच लाख जमा कराया गया है। आपने कहा कि सभी बैठक समय पर हुई हैं। आठ प्रमंडल में प्रमंडलीय अधिवेशन हो चुका है। सिर्फ सारण प्रमंडल का बॉकी है। इस सत्र में अभी तक ८३ शाखाओं का दौरा हुआ है। उन्होंने प्रकोष्ठों द्वारा किये गये कार्यो के बारे में जानकारी दी। सदस्य निर्देशिका प्रकाशन की जानकारी देते हुए कहा कि डेढ़ वर्ष के अथक प्रयास एवं आपलोगों के सहयोग से प्रकाशन संभव हो पाया तथा इसका लोकार्पण दिनांक २३ अप्रैल को बिहार के राज्यपाल महामहिम् श्री रामनाथ कोविन्द जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। बैठक में संगठन, नगर निगम चुनावों में सामाजिक सहभागिता एवं समाज बन्धुओं को विजयी बनाने हेतु विशेष जोर दिया गया। अन्त में अध्यक्ष महोदय ने सभी प्रादेशिक पदाधिकारियों, भागलपुर शाखाध्यक्ष/मंत्री एवं सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बैठक में अन्य विषयों के अतिरिक्त बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०१७-१९ के प्रादेशिक अध्यक्ष के चुनाव हेतु सर्वसम्मति से श्री ओम प्रकाश अग्रवाल–चुनाव अधिकारी एवं श्री राजेश सिकारिया, श्री योगेश तुलस्यान चुनाव समिति सदस्य के रूप में चुने गये।

उक्त अवसर पर शाखा द्वारा चयनित सात समाज बन्धुओं को अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ एवं मेमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।

दिनांक १८ जून २०१७ को राँची में आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठक में बिहार से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी,

मंच पर बैठे हुए बायें से दाये सर्वश्री रोहित झुनझुनवाला, ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, दीपक भुवानियॉ, निर्मल कु. झुनझुनवाला, कमल नोपानी, सुषमा अग्रवाल, विनोद तोदी, युगल किशोर अग्रवाल, पवन पोद्दार एवं श्रवण कु. बाजोरिया।

प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, महामंत्री श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित हुआ कि आडम्बर पर रोक लगाने के लिए जिन शादी विवाह एवं अन्य आयोजनो में मदिरा पान हो रहा हो तो उस आयोजन का विनम्रतापूर्वक बहिष्कार किया जाये।

प्रतिभा सम्मान समारोह – दिनांक ०२ जुलाई २०१७ को संध्या ३.३० बजे स्थानीय चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज के साहू जैन हॉल में प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कु. झुनझुनवाला की अध्यक्षता में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा विगत वर्षों की भॉति इस वर्ष भी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन शास्त्रोपासक आचार्य डा० चन्द्रभूषण मिश्र जी ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला ने सबका हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा विगत ९ वर्षो से

समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं के मनोबल बढ़ाने हेतु उनकी प्रतिभा का सम्मान करता रहा है। उन्होंने सफल छात्रों से अनुरोध किया कि उनके जो सहपाठी किसी कारणवश इस वर्ष सफल नही हो पाये हैं, उनके प्रति सहानुभूति दिखाते हुए उन्हें सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

आचार्य डा० चन्द्रभूषण मिश्र जी ने कहा कि मारवाड़ी समाज एक प्रबुद्ध समाज है और समाज की ऊभरती प्रतिभाएँ राष्ट्र की धरोहर है। प्रतिभाओं को सम्मानित करने हेतु यह कार्यक्रम किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमें व्यवसायी समाज के रूप में जाना जाता था, पर आज परिस्थितियाँ बदल रही है। समाज के बच्चे पढ़ने में अव्वल आ रहे हैं और हर क्षेत्र में अपने व्यक्तित्व का परचम लहरा रहे हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने कहा यह कार्यक्रम मेरे अध्यक्ष काल में प्रारंभ किया गया था जो आज तक चल रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो सिर्फ उनको प्रश्रय देने की। पढ़ने वाले समाज के बच्चों को शिक्षा समिति द्वारा छात्रवृत्ति दी जाती है।

वारिया उपाध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा समाज के बच्चे हर क्षेत्र में आगे आ रहा है। आपने विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों को भी बधाई दी।

कार्यक्रम के संयोजक श्री अभिषेक अग्रवाल ने बतलाया कि १० वीं एवं १२ वीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और शिक्षा के अन्य क्षेत्र में अति विशिष्ट गौरव प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने बतलाया कि १०वीं कक्षा के राघव टिबड़ेवाल, १२ कक्षा के कनूप्रिया बंका, यू.पी.एस.सी. सफलता प्राप्त करने वाले तनय सुल्तानियाँ, अंशूमान सुरेका आई.आई.एम. एवं रवि बजाज आई.आई.टी. में सफलता प्राप्त करने वाले को चॉदी का मेडल देकर सम्मानित किया गया।

मंच संचालन पटना नगर शाखाध्यक्ष श्री अंजनी कुमार सुरेका ने किया।

शाखा गतिविधियाँ

पटना नगर शाखा – गर्मी में पेयजल की उपलब्धता प्रदान करने की कड़ी में दिनांक २३ मई २०१७ को दिन में १२.३० बजे जिला निबंधन पदाधिकारी श्री प्रशंत कुमार के कर कमलों द्वारा रजिस्ट्री ऑफिस, छज्जु बाग, पटना में वाटर प्यूरीफायर के साथ वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया।

दिनांक २५ जून २०१७ को संध्या ४.३० बजे एक्जीविशन रोड चौराहा पर भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलदेव जी की रथ यात्रा का स्वागत तथा पूजा अर्चना की गयी एवं श्रद्धालुओं के बीच ठंड़ा जल शर्बत प्रसाद आदि का वितरण किया गया।

त्रिवेणीगंज – दिनांक २१ जून २०१७ को श्री अरूण कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में त्रिवेणीगंज शाखा की बैठक हुई, जिसमें सत्र २०१७-१९ के शाखा का चुनाव निम्नरूप में हुआ। अध्यक्ष – श्री विमल कुमार क्याल, उपाध्यक्ष – श्री अरूण कुमार अग्रवाल, मंत्री – श्री राज कुमार भरतिया, कोषाध्यक्ष – श्री विनय कुमार चाँद, सं० मंत्री – श्री सजन कुमार केजड़ीवाल चुने गये।

मारवाड़ी सम्मेलन ने लगाई ठंडे पानी की मशीन

उलुबाड़ी के रूपनगर एम ई स्कूल परिसर में मंगलवार को मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से एक ठंडे पानी की मशीन लगाई गई, जिसका उद्घाटन पूर्व अध्यक्ष तथा मुख्य अतिथि दीनदयाल सिवोटिया ने फीता काटकर किया। इस मौके पर शाखा के अध्यक्ष राजकुमार रिंगानिया ने कहा कि इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की गर्मी में ठंडा पीने के पानी का जरूरत को महसूस करते हुए स्व. मोतीलाल भुवालका व दीनदयाल सिंघानिया की प्रेरणा से यह मशीन लगाई गई। इस अवसर पर शाखा के सचिव सुशील गोयल ने कहा कि इस तरह के कार्य हम आगे भी करते रहेंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक माखन अग्रवाल व विकास जैन थे। इस मौके पर स्कूल की प्राचार्य मंजू बोरा, अध्यक्ष हिरन नाथ दत्ता, प्रदीप भुवालका, रमेश पारीख, रमेश चाचान, सूरज सिंघानिया, रंजित गुप्ता, एल एन अग्रवाल, रमेश चौधरा, सुमित सराफ, मनोज भजनका, के.आर. चौधरी, सुशील डागा, संजय मोर, कमल चौधरी व संजय अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

नवग्रह श्मशान में लगी ठंडे पानी की मशीन

ज्योति प्रसाद अगरवाला की जयंती पर मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा ने नवग्रह श्मशान में ठंडे पानी की मशीन स्थापित करवाई। इस अवसर नवग्रह श्मशान कमेटी के अध्यक्ष बबेन भराली ने फुलाम गमछा से सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार रिंगानिया, सचिव सुशील गोयल एवं वयो वृद्ध समाजसेवी तथा मुख्य अतिथि दीनदयाल सिंघानिया का स्वागत किया। कमेटी के मुख्य सलाहकार एवं विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, मुख्य अतिथि दीनदयाल सिंघानिया, दानदाता चांदरतन सिंघानिया एवं प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने सामूहिक रूप से फीता काटकर मशीन का उद्घाटन किया। विधायक ने मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए गए कार्यो की भूरि-भूरि प्रशंसा की। नवग्रह श्मशान सेवा समिति के सचिव प्रवीण वरठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष मुकुल चंद्र बोड़ा के अलावा कमेटी सदस्य, सलाहकार मौजूद थे।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला समिति की अध्यक्ष मंजू पाटनी, पारीख महिला सभा की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा शर्मा और मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष राजीव चांडक, मंत्री महेंद्र नाहर एवं मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप जैन का फुलाम गमछा से सम्मान सदस्यों द्वारा किया गया। इस मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के कोषाध्यक्ष संजय मोरे, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका, सूरज सिंघानिया, के.आर. चौधरी, प्रमोद हरलालका, समित सराफ, दिलीप सराफ, प्रेम क्याल, लक्ष्मीकांत शर्मा, विकास जैन, रमेश चाचान, दिनेश सीकरिया, राजीव गुप्त के अलावा चांदरतन सिंघानिया व श्याम रतन पोद्दार मौजूद थे।

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी ने पानबाजार थाने पर किया मोबाइल जल सेवा का उद्घाटन

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा ने आज जल सेवा अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस विभाग के साथ मिलाकर पानबाजार पुलिस स्टेशन पर मोबाइल जल सेवा का उद्घाटन किया। कुल ६०० बोतलें नींबु पानी और पानी की बोतल गुवाहाटी शाखा के सभी ट्रैफिक पोस्ट पर मोबाइल सेवा द्वारा सम्मेलन के सदस्यों ने भीषण गर्मी मे नींबू पानी एवं पानी की बोतल बांट कर पुलिसकर्मियों को राहत प्रदान की।

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**
E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

A.T
ANU®
SAREES

आवरण कथा

तनुश्री पारीक बनीं बी.एस.एफ. की पहली महिला फील्ड अधिकारी

"अपनी अलग पहचान बनाने की भावना ही मेरा प्रेरणास्रोत है – तनु"

आज से कुछ दशक पूर्व जब अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रगतिशील नेतृत्व ने मारवाड़ी महिलाओं की पर्दा–प्रथा को हटाने और कन्या-शिक्षा के समर्थन में अभियान चलाया तब किसने सोचा था कि इसी समाज की लड़की एक दिन देश की सर्वोच्च प्रतियोगिता परीक्षा यू.पी.एस.सी. में सफलता हासिल कर सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) की पहली कॉम्बैट अधिकारी बनेगी। जी हाँ, **सीमा सुरक्षा बल के ५१ साल के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी लड़की को कॉम्बैट अधिकारी बनाया गया है और यह इतिहास रचा है मारवाड़ी समाज से बीकानेर की वीरांगना तनुश्री पारीक ने।**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन १९४०-५० के दशक से ही शिक्षा, विशेषकर कन्या-शिक्षा, के समर्थन में बहुविध प्रयास करता रहा है। केन्द्रीय सम्मेलन एवं प्रांतीय सम्मेलनों द्वारा मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के सहयोग हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाये जाते रहे हैं। आज जब समाज की बेटियाँ शिक्षा ग्रहण कर, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हमें गौरवान्वित करती हैं, तो बरबस मन सम्मेलन के तत्कालीन नेतृत्व की दूरदर्शिता को नमन करता है ... कृतज्ञ श्रद्धांजलि!

बीकानेर स्थित पारीक चौक के एक संयुक्त परिवार में जन्मीं तनु ने सोफिया सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल से अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। **माँ, श्रीमती मंजू जोशी**, बीकानेर के सरकारी पॉलिटेकनिक कॉलेज में 'टेक्सटाइल एण्ड डिजाइनिंग' की प्राध्यापिका हैं जबकि **पिता, डॉ. एस.पी. जोशी**, वेटेरिनरी डॉक्टर हैं। तनु कहती है कि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि ने उनमें जिज्ञासा की भावना को बाल्यकाल से ही बलवती किया, 'क्यों' उनका पसन्दीदा प्रश्न बन गया और वे घर की 'नन्हीं क्रांतिकारी' के रूप में जाने जाने लगीं। शिक्षा की ओर उनका शुरू से ही झुकाव था और वे सिविल सर्विसेज के प्रति आकर्षित थीं। तनु ने बीकानेर गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज से बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कॉम्युनिकेशन) तथा इग्नू से रूरल डेवलपमेंट (ग्रामीण विकास) में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की है।

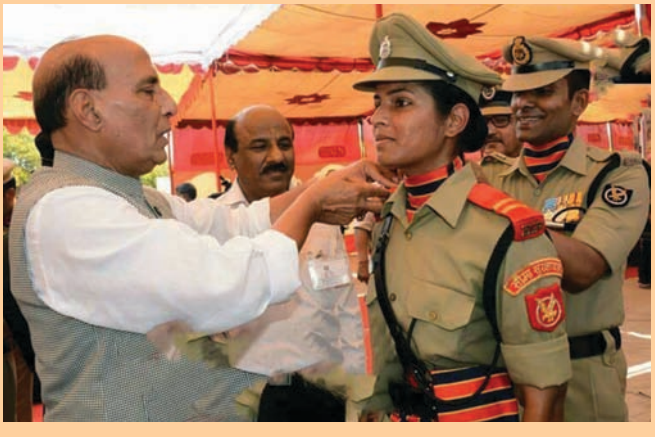

टेकनपुर (ग्वालियर, म.प्र.) स्थित बी.एस.एफ. एकेडमी में ५२ हफ्तों के कठिन प्रशिक्षण के बाद गत २२ मार्च २०१७ को आयोजित पासिंग आउट परेड में तनु ने ६७ ट्रेनी आफिसर्स का नेतृत्व किया। प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु उन्हें तीन अवार्ड मिले – बेस्ट इन ड्रिल, ऑल राउंड बेस्ट ट्रेनी और पब्लिक स्पीकिंग। भारत के गृहमंत्री **श्री राजनाथ सिंह** ने अपने हाथों तनु के कंधों पर रैंक लगाया और कहा, **"तनुश्री ने सीमा सुरक्षा बल की पहली महिला फील्ड अफसर बनकर साबित किया है कि महिलायें भी देश की सुरक्षा में बराबरी का दायित्व निभा सकता हैं। तनुश्री दूसरी लड़कियों के लिए मिसाल बनेंगी।"** तनु की पहली पोस्टिंग पाकिस्तान सीमा से सटे फिरोजपुर, पंजाब में बी.एस.एफ. की १०५ बटालियन में असिस्टेंट कमांडर के रूप में हुई है जहाँ वे सीमा सुरक्षा के साथ-साथ पंजाब के हजारों युवकों को नशे के गर्त में धकेलने वाले ड्रग रैकेट

पर अंकुश लगाने में अपनी भूमिका निभायेंगी।

ज्ञातव्य है कि बी.एस.एफ. के कॉम्बैट अधिकारियों में महिलाओं को शामिल करने का निर्णय २००८ में लिया गया था परन्तु लगभग नौ साल बाद यह पहला बैच है जिसे तनु के रूप में एक महिला कॉम्बैट अधिकारी मिली। भावी समय में अन्य महिलायें तनुश्री के साथ शामिल हो सकती हैं। तनु इससे काफी उत्साहित हैं और मानती हैं कि उन्हें एक उदाहरण पेश करना है।

बी.एस.एफ. अधिकारी की जीवनशैली में अपने आपको ढालना किसी महिला के लिए कितना कठिन होगा, यह कल्पना की जा सकती है। शारीरिक रूप से थकाउ दैनिक रुटीन के अतिरिक्त, उन्हें दिन–प्रतिदिन पुरुष-प्रधान मानसिकता का भी सामना करना पड़ता है। तनुश्री कहती हैं, "सशस्त्र बलों में एक खास पदानुक्रम (हाइअराकि) होती है जिसका सम्मान करने की जरूरत होती है। परम्परागत सामाजिक परिस्थितियों के कारण बहुत से लोग महिलाओं से आदेश लेने के अभ्यस्त नहीं होते। कुछ लोग महिला अधिकारी से बात करने या साथ काम करने में असहज हो जाते हैं। **लेकिन आम तौर पर मैंने देखा है कि जैसे ही मैं परफार्म करना शुरू कर देती हूँ तो मुझे एक जबरदस्त प्रतियोगी के रूप में लिया जाता है, एक लड़की के तौर पर नहीं।**"

अपने अनुभवों के विषय में बताते हुए २५ वर्षीया तनु कहती हैं, "मैंने पाया है कि महिलायें दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करना अपना नैतिक कर्त्तव्य समझती हैं। जब बी.एस.एफ. का कठिन प्रशिक्षण कभी मेरी क्षमता से अधिक लगता तो मैं अपने आप से कहती – तनु, तू सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व कर रही है। भावी महिला अधिकारियों के लिए तुझे अपना पूरा दम लगाना है।"

अपने परिश्रम और लगन से एक मिसाल कायम करने

वाली तनुश्री आज एक 'आइकन' हैं और उन्हें बीकानेर में **'बेटी बचाओ अभियान' का ब्रांड अम्बेसेडर** बनाया गया है। साक्षात्कारों में यह पूछे जाने पर कि वे युवक-युवतियों को क्या संदेश देंगी, तनु का कहना है, "मेरे पास उनके लिये कोई सलाह नहीं। उनके माता-पिता-अभिभावकों के लिये एक सुझाव अवश्य है – **अपने लड़कियों से वही व्यवहार करें जो आप अपने लड़कों से करते हैं, उन्हें उन शांत और विनीत जीवों में न बदलें जो किसी राजकुमार द्वारा बचाये जाने की प्रतीक्षा करती हैं, परम्परा से जरा हटने का साहस दिखायें और फिर देखें कि आपकी लड़कियाँ दुनिया में क्या बदलाव लाती हैं।**" इससे भला कौन असहमत हो सकता है!

सीमा सुरक्षा बल की पहली महिला कॉम्बैट अधिकारी बनकर इतिहास रचनेवाली तनुश्री ने बीकानेर, राजस्थान, मारवाड़ी समाज और पूरे राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन तनुश्री की सर्वरूपेण सफलता और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है!

मेरे लिए हर दिन मातृ दिवस है...

– विकास शर्मा

सुबह आइने में खुद की बजाय देखता हूं मां को...
मां की आंखें, मुस्कान मां की...
माथे पे शिकन मां की देखता हूं
जब परेशानियां घेर लेती हैं मां को
फिर अपना हाथ अपने ही सिर पर
फिराता हूं तो आशीष दे देती है मेरी मां...
वो मुझमें जीती है हर रोज, हर पल
मैं मैं नहीं हूं बस अंश हूं मां का
मेरी मां की याद मदर्स डे की मोहताज नहीं है...
मुझमें जो धड़कन है, सांसें हैं, जां है...
मुझमें हर पल जीती मेरी मां है...।।।

(रचनाकार भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड–बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक हैं।)

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

मेघालय के डीजीपी से मिला सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल व्यवसायियों पर हमले का मुद्दा

मेघालय के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एसबी सिंह के आमंत्रण पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज शिलांग स्थित डीजीपी कार्यालय में उनसे मुलाकात की। मालूम हो कि गत माह शिलांग में कई व्यापारियों के प्रतिष्ठानों व घरों पर में उपद्रवियों द्वारा किरासन बम फेंकने की शिकायत सम्मेलन ने गत २६ जून को महामहिम राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से की थी। राज्यपाल ने सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल को इस विषय पर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। इसी कड़ी में सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल को डीजीपी सिंह ने आमंत्रित कर पुलिस प्रशासन की तरफ से की गई कार्रवाई की जानकारी दी तथा इसकी रोकथाम के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। डीजीपी ने मुलाकात के दौरान शिलांग के पुलिस अधीक्षक देविस आर मराक सहित पुलिस प्रशासन के अन्य शीर्ष अधिकारी भी उपस्थित थे। डीजीपी ने इस प्रकार के वारदातों की रोकथाम के लिए किए गए कार्य की जानकारी देते हुए बताया कि नगर में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है तथा कुछ उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस के अधिकारियों ने इसके लिए आम जनता से सहयोग की कामना करते हुए अपील की कि वे स्थानीय थाने का फोन नंबर रखें तथा उपद्रवियों की शिकायत तत्काल करें। उन्होंने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर बिजली की उचित व्यवस्था करने व यथासंभव सीसीटीवी कैमरा लगाने की अपील की। उन्होंने रात को पहरेदारी की व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया। सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने उपद्रवियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए पुलिस प्रशासन की प्रशंसा की। सम्मेलन ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेने के लिए राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया है। मालूम हो कि सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त मंत्री पवन शर्मा एवं सम्मेलन के शिलांग शाखा के अध्यक्ष महावीर सिंघानिया, डॉ. कमल झुनझुनवाला, जगदीश गोयनका व संतोष चाचान शामिल थे। डीजीपी से मुलाकात के बाद सम्मेलन के पदाधिकारियों ने कुछ पीड़ित व्यापारियों के प्रतिष्ठानों का दौरा किया। पदाधिकारियों ने व्यापारियों को अपनी ओर से हर संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया।

बरपेटा रोड में जीएसटी पर 'मंथन' कार्यक्रम

मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड शाखा द्वारा जीएसटी पर एक सेमिनार 'मंथन' का गत दिनों श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी में आयोजन किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष गोपाल सारड़ा ने गुवाहाटी से आए मुख्य वक्ता सीए केपी सारड़ा एवं सीए विकास अग्रवाल को मंचासीन करवाया। आगंतुक वक्ता सीए केपी सारड़ व सीए विकास अग्रवाल का गौरीशंकर खेमका, राधाकृष्ण चौधरी, नागरमल शर्मा एवं प्रमोद अग्रवाल ने सम्मानित किया। शाखा अध्यक्ष श्रीधर शर्मा ने दोनों का परिचय समाज से करवाया। मुख्य वक्ताओं द्वारा जीएसटी के हर पहलू को सुंदर ढंग से सभी व्यापारियों को विस्तार से समझाया। जीएसटी रजिस्ट्रेशन से आरंभ करके इनवायस, इनपुट, आउटपुट और रिटर्न दाखिल करने के बारे में प्रोजेक्टर द्वारा अच्छी तरह समझाया गया। सदन द्वारा पूछे गए हर सवालों का सही तरीके से उत्तर देकर व्यापारियों का मार्ग दर्शन किया। उक्त समारोह में भारी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे। समारोह करीब पांच घंटे तक चला, जिससे लोग लाभान्वित हुए। समारोह में सीए मौसम अग्रवाला, राजकुमार जैन, अमित अग्रवाल, मनीष सेठी, शिवरतन राठी, वासुदेव सारड़ा, पवन कुमार खेमका, विनोद कुमार सराफ, सुशील मोर, हनुमान प्रसाद सराफ, अरुण जैन, अशोक चुड़ीवाल, शिव कुमार जाजोदिया एवं भैरू कुमार शर्मा आदि गणमाण्य व्यापारीगण उपस्थित थे। अंत में मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्रीधर शर्मा ने धन्यवाद देकर समारोह का समापन किया। इस आशय की जानकारी मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड शाखा के मंत्री अनिल जैना ने दी।

बरपेटारोड में मारवाड़ी सम्मेलन शाखा की नई समिति गठित

बरपेटारोड स्थित श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी प्रांगण में मारवाड़ी समाज की एक सभा बुलाई गई। इस सभा में मारवाड़ी सम्मेलन शाखा, बरपेटारोड की नई कमेटी का गठन किया गया। जिसमें राधाकिशन चौधरी, बाबूलाल मोर, गौरीशंकर खेमका, मोहनलाल चाचान, खेतमल बैगानी, बिजय कुमार भगेरिया, नागरमल शर्मा, विजय कुमार बगड़िया, भागचंद जैन, शिवरतन राठी, इंदरचंद बांठिया, हनुमान प्रसाद सराफ, गणेश प्रसाद अग्रवाल, अरुण कुमार जैन को सलाहकार बनाया गया है।

वहीं अध्यक्ष श्रीधर शर्मा, उपाध्यक्ष गोपाल सारडा, मंत्री अनिल जैना, उपमंत्री प्रमोद अग्रवाल, राजकुमार मोर और कोषाध्यक्ष संजय जाजोदिया को बनाया गया है। कार्यकारिणी सदस्यों में मनोहर लाल लड्ढा, भैरु शर्मा, वासुदेव माहेश्वरी, सुबाहू डागा, निर्मल मोर, गिरधारीलाल चौधरी, बालकिशन शर्मा, संजय धिरिया, निर्मल कोजानी, बिरबल पारीक, निर्मल धिरासरिया, मंगतुराम गौरीसरिया, महेश केड़िया, बनवारीलाल धिरासरिया, शंकर अजितसरिया, महेश धिरासरिया, प्रदीप बंग, घनश्याम राठी, कन्हैयालाल ललानी, झंवरलाल ललानी, मोहनलाल सामसुखा, शुभकरण बोथरा, बिनोद कुमार सराफ, पवन कुमार खेमका को शामिल किया गया है। इस आशय की जानकारी मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटारोड शाखा के मंत्री अनिल जैना ने दी है।

शिवसागर शाखा की नयी कार्यकारिणी गठित

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की शिवसागर शाखा की आज नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया है। स्थानीय बाबा रामदेव मंदिर रूणिचाधाम में आज आयोजित संस्था की आम सभा में विजय कुमार चितावत को अध्यक्ष और रूपचंद करनानी को सचिव बनाते हुए १५ सदस्यों की शिवसागर शाखा कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। इससे पहले आज सुबह ११.०० बजे संस्था के सलाहकार कजोड़ीमल मोर की अध्यक्षता में संस्था की आम सभा शुरू हुई परंतु आवश्यक गणपूर्ति के अभाव में सभा को स्थगित कर दिया गया। एक घंटे बाद १२.०० बजे स्थगित सभा पुनः शुरू हुई। सचिव विजय कुमार चितावत ने सभा की उद्देश्य व्याख्या की और आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसके बाद आगामी एक वर्षीय कार्यकाल हेतु विजय कुमार चितावत को अध्यक्ष, बुद्ध नारायण अग्रवाल और पवन केजड़ीवाल को उपाध्यक्ष, रूपचंद करनानी को सचिव, पवन चितावत और शुभम अग्रवाल को सह-सचिव, बजरंग चितावत को कोषाध्यक्ष, संजय पारीक को जनसंपर्क अधिकारी, विजय कसेरा, मनोज पोद्दार, मालचंद राठी, उमेश बलदुवा, संजय चितावत, राजेंद्र जोशी और राजन अग्रवाल को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चयनित किया गया। सभा में कजोड़ीमल मोर, शुभकरण शर्मा, कृष्णा खेमका और दिलीप चितावत को सलाहकार के रूप में मनोनित किया। सभा में कई अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई। सभा में सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य संजय पारीक, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष कृष्णा खेमका सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

डिब्रुगढ़ मारवाड़ी सम्मेलन का मेधा अभिनंदन व कैरियर सलाह कार्यक्रम

अग्रणी सामाजिक संस्था मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दसवीं तथा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में ८० प्रतिशत या उसके अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाले समाज के विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु विभिन्न विषयों के विशेष जानकारों ने छात्रों के उनके भावी कैरियर के विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। शहर के बाबुलाल पोद्दार पथ स्थित मिलन मंदिर के द्वितीय तल्ले पर कल दिन के १०.३० बजे पंडित कन्हैयालाल दाधीच ने मंत्रोचार के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि राधेश्याम गोयंका ने सभी विद्यार्थियों को सफलता अर्जित करने के लिए बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्य वक्ता डॉ. श्रीकांत सिकतिया ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्वयं को सर्वश्रेष्ठ बनाने के गुर सिखाये। डॉ श्रीकांत ने कहा कि आजकल कैरियर का चुनाव करना भी कठिन सा हो गया है। विद्यार्थियों को कैरियर का चुनाव किसी के दबाव में आकर नहीं करना चाहिए। हर विद्यार्थी के अंदर एक कला है, इसलिए उन्हें उस कला के अनुरूप कैरियर का चुनाव करना चाहिए। विद्यार्थियों को कभी हताश नहीं होना चाहिए, आगे बढ़ते रहना चाहिए। सीए प्रवीण जैन ने अपने संबोधन में सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास की ओर भी ध्यान देना चाहिए। जैन ने विद्यार्थियों से अहम को अपने आस-पास फटकने नहीं देने की भी सलाह ही। उन्होंने कहा कि अपने अंदर छिपी प्रतिभा को पहचाने एवं आत्मविश्वास के साथ इसे आगे बढ़ायें।

अपने संबोधन में सपना बजाज ने कहा कि हर विद्यार्थी को नेतृत्व गुण का विकास करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से खुद के साथ इमानदार रहने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि कापी और पेस्ट करना आसान है। कापी और पेस्ट के साथ अपने दिमाग का भी इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज के प्रति जिम्मेदारियों का भी अहसास कराया। कार्यक्रम के अगले चरण में प्रायोजक सीए ज्योति कनोई ने अपने संबोधन में ज्योति ललिता फाउंडेशन की जानकारी दी। कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरेश बजाज ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थी अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में लगभग ७० विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र एवं पुरस्कार देकर उनका सम्मान किया गया। पूरे असम में उच्च स्थान पाने वाले कुछ विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र के साथ ही उपहार भी दिये गये। कार्यक्रम के पहले सत्र का संचालन सुमन शर्मा ने तथा दूसरे सत्र का संचालन डॉ. महेश जैन ने किया। मारवाड़ी सम्मेलन की डिब्रुगढ़ शाखा के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य विकास मोदी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवा तथा वृक्षबंधु के नाम से जाने वाले ज्योतिनगर निवासी राधेश्याम गोयंका, कार्यक्रम के प्रायोजक सीए ज्योति प्रसाद कनोई, मारवाड़ी सम्मेलन की डिब्रुगढ़ शाखा के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरेश बजाज तथा वरिष्ठ साहित्यकार मणिराम अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में राधेश्याम ढंढ ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। तत्पश्चात मुख्य अतिथि राधेश्याम गोयंका, कार्यक्रम के प्रायोजक ज्योति ललिता कनोई फाउंडेशन के ज्योति कनोई एवं उनकी धर्मपत्नी ललिता कनोई, राजकुमार अग्रवाल, सुरेश बजाज, संगठन के सचिव सुमन शर्मा, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मरेश जैन (झांझरी), अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित सीए प्रवीण जैन, डॉ. श्रीकांत सिकतिया एवं सपना बजाज को मंचासीन करवा कर उनका फुलाम गमछा से स्वागत किया गया। सभा के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए शहर की मारवाड़ी हिंदी हाई स्कूल के अवकाश प्राप्त शिक्षक विजय शर्मा का प्रशस्ति पत्र, दुपट्टा एवं उपहार भेंट कर अभिनंदन किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन के सचिव सुमन शर्मा द्वारा मारवाड़ी भाषा में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की।

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

दिनांक २५ जुलाई को मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल जाजोदिया व मारवाड़ी युवा मंच के रा. अध्यक्ष श्री रवि अग्रवाल के साथ दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधियो ने श्री पवन कुमार गोयनका (निवर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष) के नेतृत्व मे बैठक की। निम्न विषयों पर चर्चा हुई:

दिल्ली १००० (सदस्य) कार्यक्रम के रूप मे मनायेगी जिसके तहत 30 सितम्बर तक सदस्य संख्या पूरा करके एक वृहद स्तर पर कार्यक्रम किया जायेगा।

१. मारवाड़ी युवा मंच के उन सदस्यों को सदस्य जरूर बनाये जाये जिनकी उम्र ४५ वर्ष पूरी हो चुकी है।
२. विवाह शादियों में शराब आदि के परोसने पर विशेष रोक लगायी जाये ऐसा प्रयास किया जाये।
३. समाज की अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर समाजोपयोगी कार्यक्रम लिये जाये।
४. दिल्ली मे नयी शाखाओं का गठन जल्द से जल्द किया जाये।

कार्यकारिणी द्वारा लिया गया निर्णय कि "हर एक कार्यकारिणी व कार्यक्रम में आमन्त्रित सदस्य सात नये सदस्यो को बनाये" को परिणित किया जाये।

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता: व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुई हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनो तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है:

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च बर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग बर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की बनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

डॉ. जुगल किशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन,
सलाहकार उपसमिति

वियतनाम और महाराणा प्रताप

वियतनाम एशिया में स्थित एक छोटा सा देश है जिसने लगातार अमेरिका के विरुद्ध बीस वर्ष तक युद्ध लड़ा और अंततः उस युद्ध में उसने अमेरिका को झुका दिया। अमेरिका को परास्त करने के पश्चात वियतनाम के राष्ट्रपति से एक पत्रकार ने पूछा कि आपके देश ने अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश को कैसे पराजित किया। इस प्रश्न के उत्तर में वियतनाम के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका को हराने के लिए मैंने एक महान व श्रेष्ठ भारतीय राजा का चरित्र पढ़ा था। मैंने उनके जीवन से मिली प्रेरणा व युद्धनीति का प्रयोग करके अमेरिका के विरुद्ध सरलता से विजय प्राप्त कर ली। पत्रकार ने फिर से राष्ट्रपति महोदय से पूछा – कौन थे भारत के वे महान राजा? इस पर राष्ट्रपति महोदय ने आदर के साथ खड़े होकर उत्तर दिया, "वे राजा थे भारत में मेवाड़ के महाराजा महाराणा प्रताप।" महाराणा प्रताप का नाम लेते समय उनकी आँखों में एक वीरता भरी चमक थी। इसके पश्चात राष्ट्रपति महोदय ने कहा कि अगर ऐसे ही किसी राजा ने हमारे देश में जन्म लिया होता तो हमने सारे विश्व पर राज किया होता। इस घटना के कुछ वर्षों के पश्चात् उन राष्ट्रपति महोदय की मृत्यु हो गयी। राष्ट्रपति महोदय की इच्छानुसार उनकी समाधि पर ये शब्द लिखवाये गए – 'यह महाराणा प्रताप के एक शिष्य की समाधि है'।

कालान्तर में एक बार वियतनाम के विदेश मंत्री भारत के सरकारी दौरे पर आए। पूर्वनिर्धारित सरकारी कार्यक्रम के अनुसार उन्हें पहले लाल किला और फिर महात्मा गांधी की समाधि के दर्शन कराये गए। इसके पश्चात विदेश मंत्री महोदय ने पूछा – "मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप की समाधि कहाँ है, मैं उसे भी देखना चाहूँगा।" यह सुनकर भारत के सभी अधिकारी चकित रह गए। उन्होंने उत्तर दिया कि महाराणा प्रताप की समाधि दिल्ली में नहीं है, वह राजस्थान के उदयपुर शहर में स्थित है। अगले दिन वियतनाम के विदेश मंत्री ने उदयपुर पहुँच कर महाराणा प्रताप की समाधि के दर्शन किये। समाधि के दर्शन करने के बाद उन्होंने समाधि के पास की मिट्टी उठाई और उसे अपने बैग में रख लिया। इस पर एक पत्रकार ने उनसे ऐसा करने का कारण पूछा। विदेश मंत्री महोदय ने उत्तर दिया – "ये मिट्टी शूरवीर की है। इस मिट्टी में एक महान राजा ने जन्म लिया था। मैं इस मिट्टी को अपने देश की मिट्टी में मिला दूँगा ताकि मेरे देश में भी महाराणा प्रताप जैसे शूरवीर पैदा हो सकें। महाराणा प्रताप जैसे राजा पर न केवल भारत अपितु पूरे विश्व को गर्व होना चाहिए।" यह है एक विदेशी की नजर में महाराणा प्रताप का महत्व।

राज्यपाल त्रिपाठी जी के काव्य-संग्रह "जख्मों पर शबाब" का

डॉ० जेबा रशीद द्वारा राजस्थानी भाषा में अनुवाद

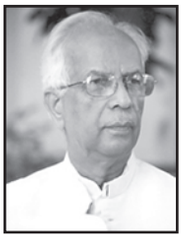

राज्यपाल त्रिपाठी

डॉ० जेबा

डॉ० जेबा रशीद ने अपने प्राक्कथन में बहुत खूब लिखा है कि कविता एक नाजुक विधा है, कविता के लिये पहली आवश्यकता है, संवेदना, उसके बाद सार्थक विचार और फिर आता है सही शब्दों का चुनाव। राज्यपाल त्रिपाठी जी तीनों के धनी है। उनकी वाणी में ही कविता है। उनकी कविताओं से लगता है कि शब्द उनके भीतर से उभर रहे है, ज्यूं कि उनके हृदय की पुकार जुट रही है। सीधे कलेजे में उतर जाती है, उनकी कविताएँ।

त्रिपाठी जी ने बडी सरल, सहज भाषा में अपने जीवन के आस-पास घटी घटनाओं एवं अनुभवों को लिखते समय लगता है अपने हृदय के पट खोल दिये हैं। झूठ, सच, प्रेम, विरह, दर्द, खुशी, प्रकृति, उमंग, आनन्द छेड़-छाड़—सभी रंगो से ओत-प्रोत कविताएँ, देश-समाज की धड़कने भी संग्रहित है।

राजस्थानी-मारवाड़ी भाषा में अनुवाद, "जखमां माथै सबाब" का अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन स्वागत करता है एवं राज्यपाल जी तथा अनुवादक डॉ. जेबा रशीद के प्रति आभार व्यक्त करता है।

– सीताराम शर्मा

मूल :
मैंने तो बसर कर ली, तेरे बज्म में कब से
तूने नज़र फिराकर मुझको अलग किया
मदहोशी में बदले मयख़ाने के पैमाने
तुमने तो छुआ ही नहीं प्याला बदल दिया।

राजस्थानी :
म्हैं तौ बसर करली थारै बज्म में कदेई सूं
थूं निजरां फिरा'र म्हनैं न्यारौ कर दियौ
मदहोसी में बदळियौ मैयखाना रौ पैमानौ
थूं तौ छुयौ ई नीं प्यालौ बदळ दियौ।

मूल :
पैग़ाम खुशगवार है, महकेगी ज़िन्दगी
दोनों चलेंगे साथ तो चहकेगी जिन्दगी
ख़याल हो इस बात का होंगे नहीं जुदा
छोड़ोगे अगर साथ तो बहकेगी ज़िन्दगी।

राजस्थानी :
संदेसौ खुसगवार है मैहकेला जिंदगाणी
दोनूं चाला साथै तौ चालेला जिंदगाणी
खयाल हो इण बात रौ होवां नीं जुदा
छोडोला साथ तौ बैहकेला जिंदगाणी।

मूल :
तेरे नग़मों में बसर कर लूँगा
गीत गा-गा के नज़र कर दूँगा
एक खुशबू जो तुझसे पाई है
उसमें ज़िन्दगी भर गुज़र कर लूँगा।

राजस्थानी :
थारां नगमां में बसर कर लूंला
गीत गा-गा'र निजर कर दूंला
अेक खुसबू जिकी थारै सूं पाई है
उण मांय जिंदगानी गुजर कर लूंला।

मूल :
तुम गुल हो, गुलिस्तां भी हो
ग़ज़ल हो, तुम ही दास्तां भी हो
क्या-क्या हो, कह नहीं सकता
तुम परी हो, परिस्तां भी हो।

राजस्थानी :
थूं गुल है, गुलिस्तां ई है
गज़ल है, थूं दास्तां ई है
कांई-कांई है, कैय नीं सकूं
थूं परी है, परिस्तां ई है।

मारवाड़ी होने का गर्व

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

मारवाड़ी समाज का गौरवमय इतिहास एवं उसकी वर्तमान छवि में बहुत बड़ा अंतर है। मारवाड़ियों के व्यापारी बुद्धि के विषय में सभी जानते हैं। किन्तु व्यापार के अलावा मारवाड़ी अन्य क्षेत्रों में भी अपनी छाप छोड़ते आ रहे हैं। इतिहासकर मानते है कि मारवाड़ी सन् १५६४ से बंगाल मे आना प्रारम्भ किये थे। उस समय का बंगाल का शासक सुलेमान किरानी ने साम्राज्य को सम्राट अकबर के मातहत कर दिया। उसके कारण अकबर ने राजा मान सिंह के नेतृत्व में राजपूतों की सेना सुलेमान के मदद के लिये भेजा था। बंगाल का मोदीखाना मारवाड़ (जोधपुर) के बनियों के द्वारा संचालित होने लगा। अपने व्यापारिक कुशाग्र बुद्धि के कारण बंगाल में उन्होंने अपना व्यापार का विस्तार किया। धीरे-धीरे मारवाड़ी देश के कोने-कोने में फैल गये। उनके बारे में प्रचलित हो गया –

जहाँ न पहुँचे रेलगाड़ी
वहाँ पहुचे बैलगाड़ी
जहाँ न पहुँचे बैलगाड़ी
वहाँ पहुँचे मारवाड़ी।

मारवाड़ी जहाँ भी गये, वे स्थानीय समाज, भाषा के साथ तादात्म्य वैठाते गए। फिर भी अपनी संस्कृति, अपनी पहचान, अपने संस्कार एवं अपनी माटी के साथ जुड़े रहे। अपने मेहनत, जोखिम उठाने की क्षमता, ईमानदारी, दूरदर्शिता के कारण उन्होंने अपार सफलता प्राप्त की। एक और चीज जो उनके सफल होने में महत्वपूर्ण था वह था उनके समाज के लोगों के साथ सम्पर्क का जाल। देश के प्रायः सभी व्यापारिक केन्द्रों में उनका सम्पर्क सूत्र कायम रहता। किसी भी शहर, गाँव, कस्वा में गल्ला की दूकान (मोदीखाना) एवं हुण्डी-पुर्जा एवं रुपया व्याज में देने का कारवार मारवाडियों के हाथ में आ गया। मारवाड़ियों की सफलता के पीछे जो बुनियादी बात थी, वह मारवाड़ी कहावतों में झलकती है:-

खानो माँ को हाथ को चाहे जहर हो
रहनो भायां को चाहे बैर हो
बैठनो छावां मे चाहे कैर हो
चालनो रास्ते को चाहे फेर ही हों।

एक अन्य कहावत है :–

पहलो सुख निरोगी काया
दूजो सुख घर में माया
तीजों सुलक्षणा नारी

व्यापार के अलावा स्वतंत्रता आंदोलन में मारवाड़ियों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। मारवाड़ियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में खुलकर सहयोग दिया। अनेकों फांसी के फंदे पर चढ़ गये। अमरचंद बाठिया, सेठ रामजीवन गुरवाले, कृष्णदास झांवर, हुकुमचंद जैन, फकीरचंद जैन, सेठ जय गोपाल दास एवं उनका पूरे परिवार ने स्वंत्रतता आंदोलन में अपने प्राणों की बाजी लगा दी! जमना लाल बजाज, घनश्यामदास बिड़ला एवं रामकृष्ण डालमिया, राम मनोहर लोहिया के अवदान के बारे में जितना भी लिखा जाय कम होगा। मारवाड़ियो ने अनेक प्रकार से स्वतंत्रता आंदोलन में अपना योगदान दिया। दिः २७-९-१९३० को बंगाल सरकार के वरिष्ठ अफसर ए. एच. गजनवी ने वायसराय के प्रतिनिधि कनिंघम को एक पत्र में लिखा – **अगर मारवाड़ियों को बंगाल में गांधी के आंदोलन से अलग कर दिया जाय एवं अगर यह आंदोलन सिर्फ बंगालियों के हाथ में ही रह जाय तो आंदोलन का ९० प्रतिशत भाग समाप्त हो जायगा**। इस पत्र में गजनवी ने उन व्यापारियों के नाम भी लिखे थे, जिन्हें आंदोलन में भाग लेने के कारण गिरफ्तार किया गया था। उनके नाम थे – श्री किशन जाजू, सीताराम सेकसरीया, राम कुमार भुवालका, सागरमल नोपानी, शिव चंद राय, राधाकिशन नेवटिया, मंगनुराम जयपुरीया, गनेश दास जवाहर मल सिंघी, गिरधारी लाल लक्ष्मीनारायण, हरिदास ओंकारमल, बाल किशन पोद्दार, गोविंद दास मालपानी, पार्वती देवी, भगवान देवी सेक्सरिया, पवनराज जैन, मांगीलाल गाड़ोदिया, परशुराम बजाज।

दिनांक १२.८.३० को जयपुर के रेसिडेंट लोथिया ने जयपुर राज्य काउन्सिल के अध्यक्ष को एक पत्र द्वारा अनुरोध किया कि जयपुर के महाराजा पर दबाव डाला जाये कि शेखावाटी के सेठ साहुकारों को इस बात के लिये राजी किया जाये कि वे महात्मा गांधी के साथ किसी भी प्रकार से सम्पर्क में नहीं रखें।

स्वतंत्रता आंदोलन में जमना लाल बजाज के अवदानों का जिक्र करना उचित होगा। उन्हानें नागपुर झंडा सत्याग्रह, साइमन कमीशन के बहिष्कार, नमक सत्याग्रह, जयपुर सत्याग्रह, विश्वयुद्ध के विरोध में आन्दोलन आदि मे बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

महात्मा गांधी ने कहा था कि जमनालाल ने अपने सभी घरों को धर्मशाला में परिवर्तित कर दिया है।

घनश्यामदास जी बिड़ला भी गांधीजी का सब प्रकार से सहयोग करते थे। बिड़ला जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में कूदने की ठानी। पर गांधीजी ने कहा कि तुम व्यवसाय में लगे रहो और आंदोलन में आवश्यक धन के लिये व्यापार करते रहो।

गांधीजी ने मारवाड़ियों के विषय में कहा था – अन्य कोई भी समुदाय या समाज मारवाड़ी की राष्ट्रभक्ति एवं त्याग में बराबरी नहीं कर सकता। मुझे आप पर पूर्ण विश्वास है। आप लोगों की धर्म पर वास्तविक आस्था हैं। आप राष्ट्र के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं।

एक जनसभा में उन्होंने कहा था कि मारवाड़ी के पास सम्पत्ति, स्नेह, दिलेरी, आधुनिकता, स्वयं को पवित्र करने की इच्छा है एवं वे धर्मपालन करने की भी इच्छा रखते हैं।

देश में स्वतंत्रता के पहले एवं बाद में मारवाड़ी समाज का योगदान अतुलनीय है। समाज के लोगों ने जगह-जगह गांधीजी के सत्याग्रह आंदोलन में विभिन्न प्रकार से सहयोग दिया। विदेशी कपड़ों के बहिष्कार के आह्वान के साथ समाज के महिलाओं ने अपने विदेशी कपड़ों की होली जलाई। साथ साथ समाज के व्यापारियों ने विदेशी कपड़ों का व्यापार बंद कर दिया। सत्याग्रहियों को तरह-तरह से सहयोग एवं समर्थन देने के अनगिनत उदाहरण मिलते हैं। देश में गांधीजी जहाँ भी जाते समाज के लोग उनको आतिथ्य प्रदान करते। जमना लाल बजाज के सक्रिय योगदान से प्रोत्साहित होकर समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर सभी जगह असहयोग आंदोलन में भाग लिया। इसके अलावा विप्लवियों एवं क्रांतिकारियो को भी जगह-जगह पनाह दी। कलकते के रोडा केस में तो मारवाड़ियों ने अंग्रेजो के खिलाफ अस्त्र-शस्त्र जुगाड़ करने के लिये भी षड़यंत्र रचा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी देश में उद्योग, व्यापार में अतुलनीय योगदान के साथ-साथ अपने दानशीलता एवं सामाजिक दायित्व के अनुपालन के कारण पूरे देश में मारवाड़ी समाज ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया। विदेशों मे भी जहाँ-जहाँ समाज के लोग गये अपनी सफलता का परचम फहराया।

तात्पर्य यह है कि समाज ने जो कुछ भी हासिल किया, अपनी विशिष्टता के कारण किया। उन विशिष्टताओं को हमें नहीं खोना चाहिए। समाज की हमारी विशिष्टता ही हमारी पहचान है। शून्य से सफर आरम्भ करके आज हमने अपनी विशिष्टताओं के कारण ही इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। यह हमारे डी.एन.ए. में है। यह माटी की देन है। इसे याद रखते हुए हमे मारवाड़ी होने पर गर्व महसूस करना चाहिये एवं अपनी मारवाड़ीयत को बरकरार रखना चाहिए।

राजिया रा दूहा

अवसर पाय अनेक, भावैं कर भूंडी भली।
अंत समै गत एक, राव-रंक री, राजिया।।

भावार्थ– जीवन में भलाई और बुराई करने के अनेक अवसर मिलते हैं। उन्हें पाकर चाहे भलाई करो, चाहे बुराई; अंत में जाकर सबकी एक ही गति होती है अर्थात् सबको मरना पड़ता है चाहे राजा हो, चाहे कंगाल हो।

अवसर मांय अकाज, सामो बोल्यां सांपजै।
करणो जे सिध काज, रीसन नकीजै, राजिया!।।

भावार्थ – काम करने का अवसर आने पर सामने बोलने से अनिष्ट हो जाता है, अर्थात् काम बिगड़ जाता है। अतः यदि काम को संपन्न करना हो तो सामने वाले के अनुचित वचन सुनकर भी क्रोध नहीं करना चाहिए अर्थात् क्रोध को पीकर चुप रहना चाहिए।

असली री औलाद, खून करयां न करै खता।
वाहै वद-वद वाद, रोढ़ ढुलातां, राजिया!।।

भावार्थ – शुद्ध कुल में उत्पन्न पुरुष अपराध करने पर भी बदले की भावना से अपकार नहीं करते, पर वर्णसंकर (दोगले) हठ कर-कर के खच्चरों की भाँति दुलत्तियाँ चलाते हैं अर्थात् बदले में हानि पहुँचाते हैं। (खच्चर घोड़े और गधी के संयोग से पैदा होता है, इसलिए वर्णसंकर अर्थात् दोगला होता है।)

अहळा जाय उपाय, आछोड़ी करणी अवर।
दुसट किरणी ही दाय, राजी हुवै न, राजिया!।।

भावार्थ – दुष्टों को प्रसन्न (अनुकूल) करने के लिए कितने ही प्रयत्न क्यों न किये जाये और उनके साथ कितनी ही भलाइयाँ क्यों न की जायँ, वे किसी प्रकार प्रसन्न (अनुकूल) नहीं होते और किये हुए सारे उपाय व्यर्थ हो जाते हैं।

आगे मिलै न अन्न, रंक पछै पावै रिजक।
मैला ज्यां रा मन्न, रहै सदा ही, राजिया!।।९।।

भावार्थ – अनेक कंगाल मनुष्य धन के ही कंगाल नहीं होते, पर मन के भी कंगाल होते हैं। उनकी मनोवृत्ति बहुत ओछी होती है। ऐसी ओछी मनोवृत्ति वाले पुरुष भाग्यवशात् आगे चलकर बहुत धनी भी हो जाते हैं तब भी उनकी मनोवृत्ति में कोई अंतर नहीं पड़ता, वह वैसी ही ओछी रहती है अर्थात् उनके मन का ओछापन नहीं जाता।

लघुकथा

पवन पहाड़िया

लघुकथावां

डांम

"थूं चैनकी रै कैयां-कैयां ऊंदौ कांम मत कर अर अेकर जायनै पाछी बात तौ करनै आज्या।"

नानकौ बड़बड़ावतौ ई बोल्यौ, "भुवाजी! थांनै समझ कोनीं। चैनकी अर पावणौ, पावणां री मां अर भैणां मिलनै घणी तळै है। तलाक री अरजी लगायां बिना अकल ठिकांणै आवै ई कोनीं।"

"देख लाडी! बिंधग्या जिका मोती! थोड़ी चैनकी नै ई समझाय अर थोड़ी गनायतां सूं ई सावळ बात तौ कर।"

"थे चुप रैवौ भुवाजी! म्हारौ माथौ खराब मती करौ। चैनकी आपरै सासरै वाळां माथै दस लाख रौ दावौ ठोकसी अर आपां कैस जीतसां अर वै सगळा जेळ जासी, तद वांरी आंख्यां उघड़सी।"

"जे आपां केस जीतग्या अर चैनकी नै रिपिया मिलग्या तौ कांई चैनकी रौ घर पाछौ बसण जैड़ौ रैयसी?"

"आपां चैनकी नै दूजी जिग्यां मेल देयसां, और कांई करसां।"

"जे दूजोड़ा पैली वाळां सूं ई नाजोगा निकळग्या तौ पछै थूं कांई करसी?"

"औरूं वां माथै ई केस कर देवसूं। पांच-दस लाख रिपिया चैनकी रै ओरूं आय जासी।"

"रिपिया ई रिपिया लेवती रैयसी अर चैनकी री गिरस्थी जमण नीं देयसी, तद वा कांई रिपिया सूं आपरौ जीवण आछी तरियां जी लेयसी?"

"इण कन्नै रिपिया रैयसी, जणां आपां कठै ई ब्याजूणां लगा देयसां अर ब्याज सूं इणरौ गाडौ गुड़तौ रैयसी। थांनै जांणकारी कोनीं भुवाजी! आज रै जमांनै मांय कन्नै रिपिया हुवणा घणां जरूरी हुवै।"

"जद बेटा इण नै ठौड़-ठौड़ भेजतौ रैयसी अर रिपिया लेय-लेयनै इण रौ घर घराणौ बिगाड़तौ रैयसी तौ पछै इण सूं आछौ तौ इणनै कोठा माथै ई बिठाय देय नीं! रिपिया घणां ई आवता रैयसी!"

नानका रा माथा में भुवाजी रा बोल बटीड़ ज्यूं लाग्या पण नानकौ अेकण सागै ई आसमांन सूं धरत्यां आयग्यौ हौ अर फट्टदेणी घर सूं निसरग्यौ हौ। तलाक री अरजी देवण नै नीं, चैनकी रै सासरै वाळां नै समझावण खातर...।

पड़दौ

पूरै प्रदेश ज्वेलरी वाळां माथै बजट मांय वेट लगावण रै विरोध में हड़ताळ चालै ही। सगळै सोना चांदी बेचणियां दुकानदार अर घड़ण वाळा सुनारां रा रोजीना जुळूस निकळता अर नित अखबार मांय धरणां-प्रदसण री खबरां अर फोटुवां आवै ही।

म्हैं जिका मोहल्ला मांय रैवूं, वीं मोहल्ला मांय घणकरी दुकानां सुनारां री है। बियां म्हारै मोहल्ला रौ नांव सुनारां रौ मोहल्लौ ई है। आखै दिन सगळी दुकानां बंद। साव स्यापौ।

रात रा आखी रात भचाभच बाजै। अेकदोय दिन तौ म्हैं सोच्यौ, कोई चोरड़ा ताळा तोड़ता हुयसी अर कीं न कीं चोरी रौ जतन करता हुयसी।

च्यार-पांच रात ओ ई खड़कौ देखनै अेक दिन रात रा म्है उठ्यौ अर गळी मांय जायनै देख्यौ तौ सगळा सुनारां री दुकानां मांय शटर नीचा न्हाख्यौड़ा अर घड़ाई रौ कांम चालै। म्हारै सूं रैयीजौ कोनीं। म्हारै पागती री दुकांन नराणजी री ही। म्हैं शटर नै खड़खड़ावतौ नराणजी नै हेली दीन्हौ।

नराणजी शटर ऊंचौ करता थकां बारै आया अर म्हनै बूझ्यौ, 'रात रा कीकर पधार्‌या। घर मांय है तौ सगळा राजी-खुसी?'

म्हैं कैयौ, "पैली थे आ बताऔ जद थानै घड़ाई रौ कांम करणौ ही है तौ पछै दिन रै मांय ताळा दीन्होड़ै क्यूं राखौ अर आकी रात आ खटपट क्यूं मांडौ हौ? दिन में घड़तां थांनै कुण पालै है?"

साभार – **लीलटांस**

बाजार

शकुनि है
मोटौ आसामी है
जो लुगाई नै
द्रौपदी सूं काठ री लुगाई बणावै
गौर कर देखौ
लुगाई-डील पै ऊभौ बाजार।

– तरसेम

अनुवाद : रमेश मयंक
साभार - मानक

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

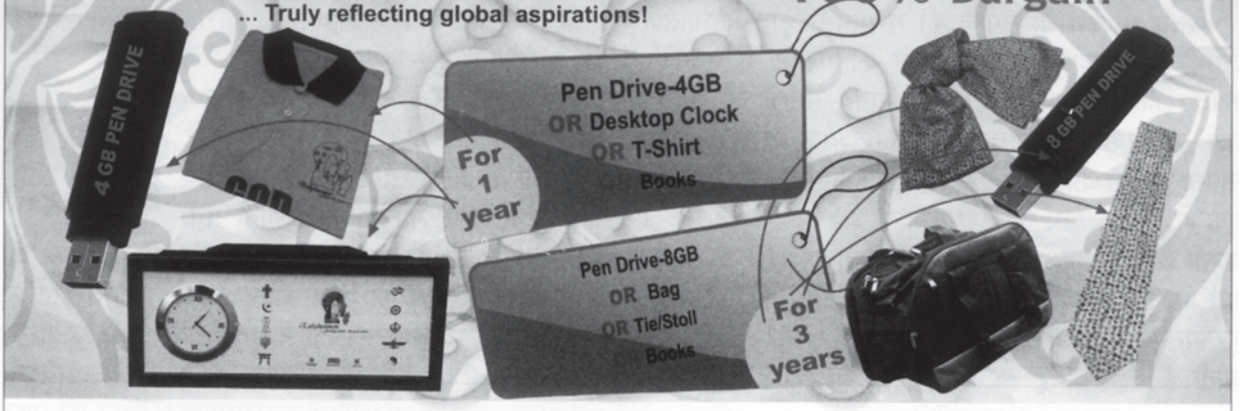

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District: _____

State: _____ Country: _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री विवेक नंद तुलस्यान मे. विवेक एसोसियेट्स धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री विजय कुमार बगड़ीया** मे. विजय इंटरप्राइजेज बनगाँव रोड, सहरसा, बिहार	**श्री संजय कुमार शर्मा** मे. बालाजी बंगाल स्टोर सहरसा, बिहार	**श्री प्रेम कुमार अग्रवाल** मे. नीलम बम्बे डाईंग डी.बी.रोड, सहरसा, बिहार	**श्री सुनिल कुमार सलामपुरिया** मे. वाटीका डी.बी.रोड, सहरसा, बिहार
श्री अशोक कुमार अग्रवाल मे. दार्जीलिंग टी हाउस डी.बी.रोड, सहरसा, बिहार	**श्री सुशील दहलान** मे. घर परिवार दहलान चौक, सहरसा, बिहार	**श्री दीपक पंसारी** पुरैनी बाजार, मधेपुरा बिहार	**श्री विष्णु राय** पुरैनी बाजार, मधेपुरा बिहार	**श्री बजरंग कुमार चौधरी** पुरैनी बाजार, मधेपुरा बिहार
श्री श्रवण कुमार सुल्तानियाँ मे. जय हनुमान ट्रेडर्स मधेपुरा, बिहार	**श्री विष्णु कुमार** मे. श्री राम मेडिकल मधेपुरा, बिहार	**श्री तरुण शिव कुमार अग्रवाल** मे. शिव शक्ति मेडिकल हाल मधेपुरा, बिहार	**श्री बजरंग लाल शर्मा** पुरैनी बाजार, मधेपुरा बिहार	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** पुरैनी बाजार, मधेपुरा बिहार
श्री दिलीप कुमार केडिया मे. जय माता दी ट्रेडर्स पुरैनी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री अनिल कुमार संथालिया** मे. संथालिया टैक्स कन्सलटेंट वार्ड नं.- ९, सुपौल, बिहार	**श्री अरविन्द जैन** मे. जैन क्लॉथ स्टोर सुपौल, बिहार	**श्री बबलू कुमार संथालिया** लोहिया नगर, वार्ड नं. ९ सुपौल, बिहार	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** मे. केदार मेडिकल स्टोर सुपौल, बिहार
श्री मातादीन अग्रवाल मे. मातादीन दीपक कुमार सुपौल, बिहार	**श्री सत्यनारायण मोहनका** मे. चुन्नीलाल रामेश्वरलाल सुपौल, बिहार	**श्री अश्विनी कुमार मोहनका** मे. मोहनका एजेन्सीज सुपौल, बिहार	**श्री रोशन लाल जैन** सुपौल बिहार	**श्री गिरधारी लाल अग्रवाल** मे. अग्रवाल वस्त्रालय सुपौल, बिहार
श्री परितोष कुमार अग्रवाल स्टेशन रोड, वार्ड नं. १० सुपौल, बिहार	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** मे. भगवान वस्त्रालय सुपौल, बिहार	**श्री अविनाश कुमार** मे. सोनु ड्रेसेज सुपौल, बिहार	**श्री प्रितम कुमार अग्रवाल** मे. पवन वस्त्रालय सुपौल, बिहार	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** सुपौल बिहार
श्री धिरज कुमार अग्रवाल स्टेशन रोड, वार्ड नं.- १० सुपौल, बिहार	**श्री शम्भु कुमार अग्रवाल** मे. धनंजय वस्त्रालय वार्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री राज कुमार अग्रवाल** थाना रोड, सुपौल बिहार	**श्री प्रदीप कुमार जैन** मे. सिंघी वस्त्रालय वार्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री विजय कुमार चोराडिया** मे. चोराड़िया ब्रदर्स वार्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार
श्री जगदीश कुमार मोहनका स्टेशन रोड, सुपौल बिहार	**श्री दामोदर प्रसाद अग्रवाल** वार्ड नं.-२५, सुपौल बिहार	**श्री दीपक अग्रवाल** महावीर चौक, वार्ड नं.-२५ सुपौल, बिहार	**श्री जिनेन्द्र जैन** मे. सजन सजनी, थाना रोड सुपौल, बिहार	**श्री बिनोद कुमार जैन** मे. चम्पालाल बाबूलाल वार्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार
श्री विजय कुमार अग्रवाल लोहिया नगर, वार्ड नं.-९ सुपौल, बिहार	**श्री संजय कुमार सरावगी** लोहिया नगर, वार्ड नं.-९ सुपौल, बिहार	**श्री अनिल कुमार डोकानियाँ** मे. सत्यनारायण दाल मिल शेखपूरा, बिहार	**श्री संजय कुमार खेतान** स्टेट बैंक कालोनी पटना, बिहार	**श्री जयराम अग्रवाल** हरिणडांगा बाजार पांकुड़, बिहार
श्री वीणा कैलाश भालोटिया कुण्डु बंगला रोड देवघर, झारखंड	**श्री संजय सेक्सरिया** मे. अशोक वस्त्रालय सरायकेला, झारखंड	**श्री शम्भु नाथ अग्रवाल** मे. शंकर शम्भु क्लाथ स्टोर वार्ड नं.-७, सरायकेला, झारखंड	**श्री सुनिल कुमार सेक्सरिया** मे. भवानी एजेन्सी खरसावा, झारखंड	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** मे. दीपक एण्ड दिनेश सरायकेला, झारखंड
श्री केदार नाथ अग्रवाल गोपी होटल के नजदीक सरायकेला, झारखंड	**श्री बितेश कुमार चौधरी** मे. श्याम सेल्स सरायकेला, झारखंड	**श्री लिलू राम अग्रवाल** सिमडेगा मारवाड़ी मोहल्ला सिमडेगा, झारखंड	**श्री राजेश झुनझुनवाला** मन्दाकिनी इंक्लेव फ्लैट-५०५ सोनारी, झारखंड	**श्री राजेश खण्डेलवाल** दूकान नं-२८, रिफ्यूजी मार्केट जमशेदपूर, झारखंड
श्री शिव कुमार चौधरी फ्लैट नं.-२/४, ब्लाक-ए लाईन-१, जमशेदपूर, झारखंड	**श्री मनोज पलसानिया** मे. कृष्णा सेल्स एजेन्सी टेल्को, झारखंड	**श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल** मे. विनायक मेडिकल टेल्को, झारखंड	**श्री शंकर प्रसाद अग्रवाल** एच नं.-६५, लाईन नं.-२ एग्रीको, झारखंड	**श्री अरुण अग्रवाल (चुड़ीवाला)** मे. उषा मार्टिन लि. जमशेदपूर, छारखंड
श्री राजेश नरेदी एच नं.- २६२ एग्रीको, झारखंड	**श्री मनीष कुमार अग्रवाल** एच नं.-११२६, न्यु बरदवारी साकची, झारखंड	**श्री रतन कुमार अग्रवाल** जी.सी/४५, गुरुनानक नगर साकची, झारखंड	**श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल** फ्लैट नं.-२/६, ब्लाक-ए एग्रीको, जमशेदपूर, झारखंड	**श्री विजय खेमका** मे. रितेश उद्योग जमशेदपूर, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री मनोज कुमार अग्रवाल मे. श्री श्याम ट्रेडर्स जमशेदपूर, झारखण्ड	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** मे. सुरेश ट्रेडिंग कं. जमशेदपूर, झारखण्ड	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** ४/१२९, कशिडीह, साकची जमशेदपूर, झारखण्ड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मे. शिव भण्डार जमशेदपूर, झारखण्ड	**श्री गिरधारी खेमका** ५१, शिव मंदिर लाईन जमशेदपूर, झारखण्ड
श्री विजय कुमार अग्रवाल मे. दीमाना टायर जमशेदपूर, झारखण्ड	**श्री सरवेश जैन** १ए, पिताम्बर अपार्टमेंट बरिआतु, रांची, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** श्याम काम्पलेक्स रामगढ़, झारखण्ड	**श्रीमती ममता बगड़िया** श्याम काम्पलेक्स, चट्टी बाजार रामगढ़, झारखण्ड	**श्री बरुण कुमार बगड़िया** मे. बगड़िया ब्रदर्श रामगढ़, झारखण्ड
श्री अरुण बगड़िया मे. बगड़िया ब्रदर्स रामगढ़, झारखण्ड	**श्री कमल किशोर अग्रवाल** मे. बगड़िया ब्रदर्स रामगढ़, झारखण्ड	**श्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता** आर. जी. स्ट्रीट रांची, झारखण्ड	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** में बगड़िया साड़ीज रामगढ़ कैंट, झारखण्ड	**श्री लोकेश बगड़िया** मे. बगड़िया इलेक्ट्रोनिक्स रामगढ़ कैंट, झारखण्ड
श्री पवन कुमार पोद्दार अपर बाजार, लोहरडागा झारखण्ड	**श्री अभय कुमार अग्रवाल** मे. बी.पी.ए. इंजीनियरिंग इक्युपमेंट प्रा. लि. पांकुड़, झारखण्ड	**श्री बिजय कुमार बंका** मे. खाटु श्यामा इंटरप्राईजेज बोकारो, झारखण्ड	**श्री प्रवीण मोदी** ४ए, आर.के.वी के टावर गुजरात कॉलोनी, चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री सुभाष कुमार केजरीवाल** मे. नारायण भण्डार मेन रोड, चास, बोकारो झारखण्ड
श्री कृष्ण कुमार रितोलिया द्वारा-फूलचंद अग्रवाल एण्ड कं. गुजरात कॉलोनी, चास झारखण्ड	**श्री सुशील कुमार जालान** पुरूलिया रोड, चास बोकारो, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मे. श्री श्याम प्लाईवूड चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री जगदीश प्रसाद जगनानियाँ** मेन रोड, वार्ड नं.- १६ चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल एण्ड असोसियेट्स चास, बोकारो, झारखण्ड
श्री रामलखन हेलीवाल मे. जीया स्टील ट्रेडिंग बोकारो, झारखण्ड	**श्री श्रीधर जी जोशी** मे. जोशी प्लाईवूड एजेन्सी चास, बोकारो, झारखण्ड	**पं० सत्यनारायण शर्मा** (ज्योतिषविद), भविष्य दर्शन केन्द्र, कालीवाड़ी, चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री महेन्द्र कुमार सोमानी** मे. दुर्गा प्लाई होम चास, बोकारो, झारखण्ड	**श्री प्रवीण बंसल** एन आर ३७/१, मेन रोड रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड
श्री नंद किशोर बंसल एन आर ३७/१, मेन रोड रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री मनीष अग्रवाल** मे. माँ अम्बे ट्रेडिंग, रामा ग्लास, साड़ी, झारखण्ड	**श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता** मे. शिव हार्डवेयर, लोहार टोला, रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** मे. कृष्णा आटोमोबाइल्स मेन रोड, रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री रुपेष कुमार अग्रवाल** मे. आर. के. इंटरप्राईजेज रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड
श्री सुभाष कुमार अग्रवाल मे. ओम सेनिटरी एण्ड हार्डवेयर रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री विजय कुमार पोद्दार** मे. पोद्दार इलेक्ट्रोनिक, शिवाजी रोड, रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री विजय कुमार सरावगी** तिरुपती बालाजी काम्पलेक्स रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** मे. राणी सती प्लाईवूड रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री प्रतिक मित्तल (सीए)** कृष्णा होटेल काम्पलेक्स अपर बाजार, राँची, झारखण्ड
श्री सुरेश दधीच एम. ई. स्कूल रोड, जुगसलाई जे. एस. आर, झारखण्ड	**श्री नथमल शर्मा** रामचन्द्र भवन, स्टेशन रोड, जुगसलाई, झारखण्ड	**श्री बजरंग लाल अग्रवाल** १५/१, न्यु काली मट्टी रोड साकची, झारखण्ड	**श्री प्रमोद खन्ना** आद्रा भवन, मिल एरिया साकची, झारखण्ड	**श्री महेन्द्र कुमार साबू** मे. कृष्णा मोटर्स जमशेदपुर, झारखण्ड
श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल श्याम कुटी, गणमय कॉलोनी मैन्गो, झारखण्ड	**श्री पंकज अग्रवाल** श्री सिमेन्ट एजेन्सी, विद्यापति नगर, बरिडीह, झारखण्ड	**श्री रतन पटवारी** दिमाना रोड, मैन्गो जमशेदपूर, झारखण्ड	**श्रीमती किरण खेमका** मे. रितेश उद्योग, मैन्गो जमशेदपूर, झारखण्ड	**श्रीमती आशा अग्रवाल** मे. महावीर स्टोर्स, मैन्गो जमशेदपूर, झारखण्ड
श्री बिमल बजाज मे. जयगुरु स्टोर्स, कुम्हारपाड़ा कसिडीह, झारखण्ड	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** मे. श्री राधे डिस्ट्रीब्युटर्स कसीडीह, झारखण्ड	**श्री माली राम अग्रवाल** एग्रीको, जमशेदपूर झारखण्ड	**श्री पंकज कुमार छॉवछरिया** मे. श्री कृष्णा ट्रेडर्स, फाउण्ड्री रोड, जमशेदपूर, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार शर्मा** मे. बड़धारा इंफोर्मेशन सेन्टर आजाद मार्केट, टेल्को, झारखण्ड
श्री संदीप कुमार अग्रवाल मे. राजस्थान जनरल स्टोर टेल्को, झारखण्ड	**श्री राम शरण अग्रवाल (पिन्टु)** मे. अग्रवाल एण्ड कं. राँची, झारखण्ड	**श्रीमती मोनिका जालान** १, रंगलाल जालान रोड राँची, झारखण्ड	**श्री भानु प्रकाश जालान** १, रंगलाल जालान रोड राँची, झारखण्ड	**श्री विष्णु कुमार जालान** मे. ज्ञान ट्रेडर्स राँची, झारखण्ड
श्रीमती उषा जालान मे. ज्ञान ट्रेडर्स १, रंगलाल जालान रोड राँची, झारखण्ड	**श्री भानु प्रकाश जालान** मे. श्री द्वारकाधाम फैब्रिक्स राँची, झारखण्ड	**श्री मनोज कुमार झाँझरिया** मे. झाँझरिया एण्ड कं. देवघर, झारखण्ड	**श्री श्याम सुन्दर पायेरिवाल** मे. बिहारीलाल ओमप्रकाश देवघर, झारखण्ड	**श्री गणेश तुलस्यान** मे. तुलस्यान एजेन्सी देवघर, झारखण्ड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री संतोष कुमार शर्मा के. एल. सील रोड देवघर, झारखण्ड	**श्री सुरेन्द्र कुमार छॉवछरिया** द्वारा मुकुन्द गणपत राय देवघर, झारखण्ड	**श्री प्रमोद कुमार खोवाला** सुरशीला रोड देवघर, झारखण्ड	**श्री पंकज कुमार पचेरिवाल** बामपस टाउन, देवघर झारखण्ड	**श्री संतोष लाल गुटगुटिया** मे. वीणा एजेन्सी, एस.एम. जालान रोड, देवघर, झारखण्ड
श्री अनिल सराफ मे. वीणा एजेन्सी, एस.एम. जालान रोड, देवघर, झारखण्ड	**श्री संतोष कुमार केजरीवाल** मे. बंसल ट्रेडिंग पाकुड़, झारखण्ड	**श्री प्रदीप कुमार बगड़ीया** मे. सत्यनारायण सजन कुमार पाकुड़, झारखण्ड	**श्री सुरेश कुमार बाकलीवाल (जैन)**, मे. महावीर स्टोर्स पाकुड़, झारखण्ड	**श्री अनिल टिबड़ेवाल** मे. श्री गोयल इलेक्ट्रोनिक्स महाराजा अग्रसेन पथ पाकुड़, झारखण्ड
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल मे. भावना इंटरप्राईजेज हरिणडांगा बाजार, पाकुड़ झारखण्ड	**श्री प्रकाश जैन** मे. प्रकाश टाईल्स एण्ड मार्बल्स कजरिया टाईल्स, पाकुड़ झारखण्ड	**श्री घनश्याम टिबड़ेवाल** मे. आदित्य इंटरप्राईजेज पाकुड़, झारखण्ड	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** में कृष्णा इंटरप्राईजेज पाकुड़, झारखण्ड	**श्री महेन्द्र कुमार केड़िया** फ्लैट-३०३, रम्भुरुस्ताना पटना, बिहार
श्री बद्री प्रसाद जोशी जोशी निवास भवन बेगुसराय, बिहार	**श्री रमेश खेतान** मे. ए.सी.टी. कम्प्युटर मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री केशव अग्रवाल** एल.टी.-२९, शिवाजी रोड रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री गिरीश कुमार अग्रवाल** मे. बालाजी स्टील रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री निखिल अग्रवाल** मे. बालाजी हार्डवेयर स्टोर रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड
श्री अभिषेक सिंघानिया मे. अभिषेक सिंघानिया रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्रीमती पूनम सिंघानिया** अपो-रामगढ़ कॉलेज रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री रामचन्द्र वर्मा** रांची रोड, पो : मटार रामगढ़ कैन्ट, झारखण्ड	**श्री मनोज कुमार बंका** मे. द रेडिमेड शॉप देवघर, झारखण्ड	**श्री प्रशांत बाजला** मे. मल्टीमेटल्स देवघर, झारखण्ड
श्री प्रवीण कुमार बाजला मे. स्टील क्राफ्ट देवघर, झारखण्ड	**श्री श्रवण कुमार बधवाल** मे. ब्लुमिंग बर्डस स्कूल देवघर, झारखण्ड	**श्री घनश्याम खेतान** खेतान मार्ग, छत्तीसी देवघर, झारखण्ड	**श्री अर्जून अग्रवाल** मे. बाबा वैद्यनाथ आलू भण्डार देवघर, झारखण्ड	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** सिंचाई प्रमंडल देवघर, झारखण्ड
श्री दीपक कुमार बजाज मे. आंचल, कमला मार्केट देवघर, झारखण्ड	**श्री रवि शंकर खण्डेलवाल** मे. झारखण्ड टूर एण्ड ट्रेवल्स देवघर, झारखण्ड	**श्री गोपी किशन गाड़ोदिया** १४/२, राजा बगान, कांके रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री राम कुमार गाड़ोदिया** मे. गाड़ोदिया ग्रुप हरमू रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री नवरत्न गाड़ोदिया** मे. गाड़ोदिया पेपर बॉक्स इण्डस्ट्रीज, राँची, झारखण्ड
श्री नवनीत गाड़ोदिया १२/४, बसंत बिहार, कांके रोड, राँची, झारखण्ड	**श्रीमती मधु गाड़ोदिया** १२/४, बसंत बिहार, कांके रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री गौरव कुमार गाड़ोदिया** १४/२,राजा बागान कांके रोड, राँची, झारखण्ड	**श्री पवन गोयल** १, सरस्वती अपार्टमेन्ट सेक्टर-९, रोहिणी, दिल्ली	**श्री राजेश कुमार रंगा** डी-४, फ्लैट नं.-४०६७ बसंत कुंज, दिल्ली
श्री धर्मेन्द्र चाचण एफ-८५, प्रशांत विहार दिल्ली	**श्री नरेश कुमार बंसल** बी-१३६ए, प्रथम तल मालवीय नगर, नयी दिल्ली	**श्री नरेश लाठ** १०७, विकाशील अपार्टमेन्ट सेक्टर-१३, रोहिणी, दिल्ली	**श्री किशन गोपाल शर्मा** ३४/२, एल जी एफ युसुफ सराय, नयी दिल्ली	**श्री चन्द्र शेखर गोयल** के-४४, ग्रीन पार्क मेन नयी दिल्ली
श्री सुधीर कुमार अग्रवाल ए-६, हौज खास नयी दिल्ली	**श्री मुरारी लाल लोहिया** डी२/१३, बुद्धविहार फेज-१, दिल्ली	**श्री अनिल कुमार माहेश्वरी** ए-६१, सांकी आपर्टमेन्ट फ्लाट नं-८, सेक्टर-९ द्वारका, नयी दिल्ली	**श्री विवेक सरावगी** जे-४, फ्लैट नं. बी१८ खीरकी-एक्स, मालवीय नगर नयी दिल्ली	**श्री सत्य देव कौशिक** १०२, गोकूल अपार्टमेन्ट सेक्टर-४५, फरिदाबाद
श्री अशोक गुप्ता सी-१५६, ग्रेटर कैलाश-१ नयी दिल्ली	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** ५०५, एच.आई.जी, डीडीए फ्लैट, ब्लाक-९, नयी दिल्ली	**श्री एस. एन. चाण्डक** डब्ल्यु-१५१, ग्रेटर कैलाश-२, नयी दिल्ली	**श्री मनमोहन केजरीवाल** १३५, सत्य निकेतन नयी दिल्ली	**श्री किशन कुमार सोनी** डी-६४, द्वितीय तल कालकाजी, नयी दिल्ली
श्री प्रवीण पारीक मे. मैक्स लॉजिस्टिक नोएडा, यू.पी.	**श्री अरूण ड्रोलिया** मे. मेट्रो सेल्स कार्पोरेशन एस.पी.वर्मा रोड, पटना, बिहार	**श्री राजेन्द्र कुमार छापोलिया** दही टोला लेन, सुजानगंज भागलपूर, बिहार	**श्री नंद किशोर छापोलिया** आर. एन. अग्रवाल रोड चुनीहारी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री पवन अग्रवाल** मे. नवदुर्गा साईकिल स्टोर ठाकुरवाड़ी रोड, सुपौल, बिहार
श्री श्रवण कुमार मित्तल बड़ी दुर्गा स्थान रोड सहरसा, बिहार	**श्री सौरभ कुमार पोद्दार** मे. गंगा होजियरी एजेन्सी न्यु मार्केट, भागलपुर, बिहार	**श्री इंदू शेखर टिबड़ेवाल** मे. विजय कुमार अरुण कुमार, भागलपुर, बिहार	**श्री राजीव कुमार टिबड़ेवाल** मे. द वर्ल्ड ऑफ टाइटन आर.पी.रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री गिरधर गोपाल मावंडीया** ८/३२, आर.एन. अग्रवाल रोड, भागलपुर, बिहार

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular/Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

SUNO
TOH
APNE
DIL KI
LUX®
cozi™
INNER WEAR
www.luxinnerwear.com
An ISO 9001:2008 Certified Company
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
ASIA'S MOST PROMISING BRAND - 2013-2015
MASTER BRAND 2014-2015
THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA &GCC
THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 24th July 2017
RNI Regd. No. 2866/68

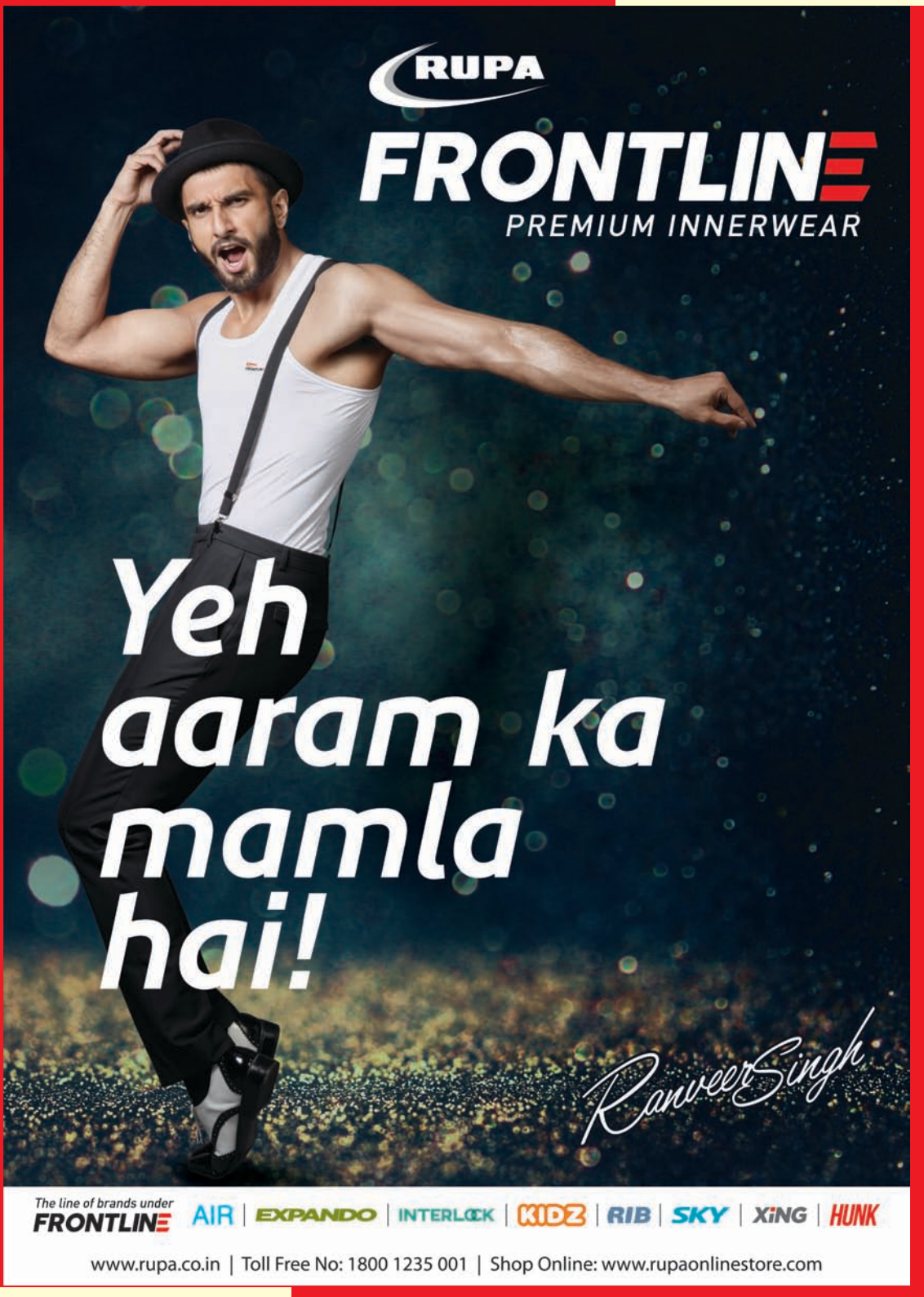

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com